डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 09 > अंक : 47 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

झूठ की हार और सच की जीत निश्चित है।
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, रविवार, 21 मई 2023

सरकार सुस्त और भूमाफ़िया चुस्त

फ़र्ज़ी दस्तावेज़ों से पंचवटी सर्कल की सरकारी ज़मीनें रखीं जा रहीं गिरवी!

राजापार्क में भूमाफ़ियाओं ने फ़र्ज़ी स्टॉम्प का भी खोल लिया है धंधा।

6-7 भूमाफ़िया हैं लगातार सक्रिय। पूर्व पार्षदों सहित ये गैंग लगातार सरकारी व संस्थानिक भूमि पर कर रही है कब्ज़ा। आगामी अंकों में नाम होंगे उजागर इनके इतिहास सहित।

अमृतसरी कुलचे वाला पंचवटी सर्कल, राजापार्क के सामने सरकारी स्कूल की ज़मीन पर लगातार बनी यह 05 अवैध दुकानें। सिंह प्रॉपर्टी पर जमाते हैं अब ये 6-7 भूमाफ़िया अड्डा

बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन भूमाफ़ियाओं ने उठा रखी है लाखों के किराए पर। फ़र्ज़ी शपथपत्र (स्टाम्प) किरायनामे उड़ा रहे क़ानून की धज्जियाँ।

सुर्खियाँ

- बन्नूवाल कमेटी और सरकारी स्कूल की ज़मीन चढ़ रहीं फ़र्ज़ी स्टॉम्प सहित फ़र्ज़ी किराये पर।
- लाखों-करोड़ों का किराया वसूल रहे भूमाफ़िया सरकारी ज़मीनों का।
- आख़िर क्यों नहीं हो रही कार्यवाही मालवीय नगर जोन नगर निगम हैरीटेज की ओर से ?
- जाँच न करने की क्या हो सकती है वजह?
- मालवीयनगर जोन के तात्कालीन उपायुक्त एवं वर्तमान उपायुक्त महेश मान एवं निगम के अन्य अधिकारी हैं लगातार संदिग्ध भूमिका में।
- स्थानीय प्रशासन और शासन दोनों को समय समय पर भेजते हैं मेवा ये भूमाफ़िया, इसीलिए सभी हैं नींद में।

शालिनी श्रीवास्तव
जयपुर(हिलव्यू समाचार)। पंचवटी सर्कल अपनी किस्मत को लेकर रोता आया है। जहाँ पंचवटी-मंदिर के रूप में चारों दिशाओं में ईश्वर की निग़ाहें हैं उसके बावजूद उसके इर्द-गिर्द भूमाफ़ियाओं की काली निग़ाहें पंचवटी सर्कल को लगातार खा रही हैं।

क्या इन भूमाफ़ियाओं का ज़मीर बिल्कुल मर गया है? बन्नूवाल संस्था व सरकार की करोड़ों अरबों की ज़मीन को चबाने की कोशिश में ये भूमाफ़िया अपना ईमान धर्म बिल्कुल बेच कर खा गए हैं।

ऑटो चालक हो, मिस्त्री हो या लोहा बेचने वाला ज़ीरो से जीवन की कहानी शुरू करने वाले ये भूमाफ़िया कौड़ियों से करोड़ों तक पहुँच गए। ये करोड़ों अरबों केवल सरकारी ज़मीनों पर कब्ज़ा करके और उन ज़मीनों को किराए पर उठाकर काली कमाई कर रहे है।

बन्नूवाल कमेटी के एक सदस्य के पोते ने दादा की प्रॉपर्टी पर बहुत गुलाटियाँ मारी। भूमाफ़ियाओं से भिड़ा भी फिर उसकी गुलाटी एक करोड़ की अवैध दुकान इनाम में लेकर थम गई। अब 70-80 हज़ार रुपये महीने अवैध किराए से संतुष्ट कर दिया गया है इन 6-7 भूमाफ़ियाओं द्वारा।

पूरी काली कमाई ये अपने-अपने ठिकानों पर दबाए हुए हैं। ईडी या आयकर विभाग अगर इनके ठिकानों पर छापा डाले तो राजधानी का आधा काला धन इनके ठिकानों पर से निकलेगा। इसके अलावा जिस्मफ़रोशी के धंधे को हाई क्लास सर्विस का दर्जा देकर दिन-रात अधिकारियों, मंत्रियों व विरोधियों की सेवा में ये लगे रहते हैं। मंत्री हो या संतरी सबकी सेवा करवाकर मेवा खाना इनकी आदत बन चुका है।

फ़र्ज़ी किरायनामों के दस्तावेज़ों से ये कैसे बिजली बिल,पानी बिल या यूँ कहें कि नगर निगम की आवश्यक जाँचों को पूरा कर पाते हैं यह सोचने का गम्भीर विषय है।

इन भूमाफ़ियाओं के द्वारा बन्नूवाल कमेटी की ज़मीन पर फ़र्ज़ी किराएनामे लेकर अवैध ढाबे वाले भी दबंग हो गए हैं।

सेठी बारबिक्यु, पूरण ढाबा, शर्मा अमृतसरी कुलचा, अमृतसरी कुलचा एवं भोजनालय वाला,द मोमोज हब, यू एंड मी कुल्चा एंड कैफ़े बिना फ़ूड लाइसेंस,बिना आरएमए लाईसेंस और बिना फायर एनओसी के धड़ल्ले से चल रहे हैं।

इन ढाबों सहित धाबाई प्रॉपर्टीज़, मेडसुन फार्मसी जैसी दुकानें फ़र्ज़ी किरायनामों के दस्तावेज़ों से खुले आम चल रहीं हैं।

अब सरकारी स्कूल व पुराने डाकघर की ज़मीन पर इनकी काली निग़ाहें गढ़ चुकीं हैं। पाँच अवैध दुकानें कैसे खड़ी हो गईं यह बताने की आवश्यकता नहीं। बिना नगर निगम की मिलीभगत के कुछ सम्भव नहीं होता। सेठी प्रोपर्टी, ओम फाउंडेशन की फ़र्ज़ी दुकान की आईडी बनाकर ये भूमाफ़िया अड्डा जमाकर बैठ गए हैं। सीमा अग्रवाल के नाम से फ़र्ज़ी रजिस्ट्री कैसे करवा ली यह बड़ा प्रश्न है।

नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त हों या मेयर किसी के पास पावर क्यों नहीं इन फ़र्ज़ी वाड़ों के विरुद्ध अभियान चलाने का? क्या वजह है कि निगम मुख्यालय और मालवीय नगर जोन इस पर कोई कार्यावाही नहीं कर रहा। किराए का कितना प्रतिशत हर माह वहाँ पहुँच रहा है कि निगम की जुबान और ज़मीर पर ताला पड़ गया है।

सरकार अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर सख़्ती दिखा सकती है बस लगातार हथौड़ों से सरकारी तंत्र के ज़मीर को तराशने की आवश्यकता है जो काम मुहिम के रूप में हिलव्यू समाचार लगातार कर रहा है और अंतिम सकारात्मक परिणाम आने तक करता रहेगा।

ख़बर-बेख़बर

मंगलम हॉस्पिटल सिंधी कॉलोनी के लिए बनेगा अमंगल का कारण!

प्लॉट न.C-29,सिंधी कॉलोनी, बर्फ़ख़ाना चौराहा,राजापार्क जयपुर का अवैध निर्माण कॉलोनी वालों के लिए बना सरदर्द।

ज़ीरो सेटबैक के कारण ट्रांसफार्मर फिट किया मंगलम हॉस्पिटल ने छत पर?

कुलदीप गुप्ता
जयपुर। डॉ अमित माथुर का प्लॉट न. C-29,मंगलम हॉस्पिटल,बर्फ़ख़ाना चौराहा, सिंधी कॉलोनी राजापार्क अवैध निर्माण के कारण आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरीटेज को कटघरे में खड़ा कर रहा है। बिना नगर निगम की मिलीभगत और भ्रष्ट नीति के क्या यह सम्भव है? घँटों जाम रहता है बर्फ़ख़ाना चौराहे पर इस वजह से।

डॉ अमित माथुर का मंगलम हॉस्पिटल किसी का मंगल करे न करे फ़िलहाल बर्फ़ख़ाना चौराहे की शांति को भंग कर ही रहा है। ज़ीरोसेटबैक,बिल्डिंग बायलॉज के नियम तो ताक पर है हीं, स्वीकृति के विरुद्ध जाकर जो कमर्शियल निर्माण किया गया है वह निगम से सांठगांठ को प्रमाणित करता है। आसपास की कई शिक़ायतों के बाद डॉ माथुर ने कागज़ी खाना-पूर्ति तो की लेकिन दस्तावेज़ कुछ और हैं और मौक़े पर काम कुछ और।

डॉ अमित माथुर मंगलम हॉस्पिटल के मालिक जिन्हें लोगों की सुरक्षा व सुविधा या सिस्टम से कोई लेना देना नहीं। बस उनका हॉस्पिटल चलना चाहिए।

मंगलम हॉस्पिटल की मनमानी की कहानी एक नज़र में

- सेटबैक बिल्डिंग की ऊँचाई के आधार पर नहीं दिया गया।
- कोई पार्किंग नहीं बनाई गई।
- मरीज़ों के परिजनों के लिए कोई जगह नहीं दी गयी है।
- आसपास के मकानों के बाहर मरीज़ों के परिजन बैठे रहते हैं यह आम रहवासियों के लिए सरदर्द बना हुआ है।
- बर्फ़ख़ाना चौराहे पर जाम का मुख्य कारण C-29 मंगलम हॉस्पिटल है। जहाँ बेतरतीबी से मटेरियल तो पड़ा ही रहता है बल्कि अनाप-शनाप तरीके से साधन भी खड़े रहते हैं।
- हॉस्पिटल में इमरजेंसी एम्बुलेंस अगर आ जाये तो हड़कम्प मच जाए क्योंकि जाम हर वक़्त बना रहता है।
- आसपास के रहवासियों की सुरक्षा भी ख़तरे में है कि मरीजों के साथ कई तरह के लोग आते हैं। रात-रात भर घरों के बाहर मरीजों के रिश्तेदार व परिजनों का जमावड़ा लगा रहता है। लगातार बनी हुई भीड़ से कॉलोनी की सुरक्षा पर भी प्रश्न चिन्ह लग गया है।
- सबसे बड़ी बात सड़क जाम व पड़ौसी की शिक़ायतों के कारण ट्रांसफार्मर को मंगलम हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने प्रथम छत पर शिफ्ट कर दिया है। यह कितना बड़ा ख़तरा है आम रहवासियों व हॉस्पिटल के मरीज़ों के लिए?
- हॉस्पिटल के मुख्य द्वार पर कोई गार्ड या कर्मचारी तैनात नहीं है जो ट्रैफ़िक व आगंतुक मरीज़ों व परिजनों की व्यवस्था को संभाल सके।
- आख़िर आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरीटेज ने किस कारण से चुप्पी साध रखी है यह निगम उपायुक्त सुरेश राव से ही पता लगाया जा सकता है।

रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या का मामला एक बार फिर सुर्ख़ियों में

गिरिधारी मन्दिर का कब्ज़ा छोड़ना होगा रामकिशोर मीणा को

गिरिधारि मंदिर परिसर पर रामकिशोर मीणा का कब्ज़ा। जिसे अब न्यायालय के आदेश पर सूपुर्द करना होगा पुजारी परिवार को।

शालिनी श्रीवास्तव
जयपुर। चाँदी की टकसाल,राजाराम तालाब के गिरिधारी मंदिर के कब्ज़े के मामले में रामप्रसाद मीणा ने गत माह 17 अप्रैल को आत्महत्या कर ली थी। मीणा समाज के आंदोलन से दबी सरकार व समाज की सहानुभूति ने झूठ को सच में बदल दिया था कि रामकिशोर मीणा का जन्म सुधर गया भले ही बेटा स्वर्ग सिधार गया। बेटे की मौत के 20 दिन बाद ही रामकिशोर ने कब्ज़े के मकान में छत डालने की हिम्मत दिखा दी लेकिन उसको था झूठ पर विश्वास और पुजारी परिवार को था क़ानून और भगवान पर विश्वास। हालांकि क़ानून पर विश्वास करने वाले पुजारी परिवार के दो सदस्यों ने क़ानून के साथ चलने की सजा पाई। पुजारी परिवार के ही सदस्य देवेंद्र शर्मा और ललित शर्मा ने 26 दिन कारावास काटा और 23 मई की गिरफ्तारी के बाद 15 मई को क़ानूनी लड़ाई लड़कर ही वापस घर लौट आये हैं।

आश्चर्य की बात है मंत्रियों पर हुई FIR पर कभी नहीं इतनी त्वरित कार्यवाहीनहीं होती जितनी इस मामले में पुजारी परिवार पर हुई और न ही बेल में इतनी देरी लगती है मंत्रियों की या प्रभावशाली लोगों की जितनी पुजारी परिवार के सदस्यों की बेल में लगी। क़ानून पर चलने वाला इसी तरह संघर्ष और समस्याओं से जूझता आया है लेकिन क़ानून के लम्बे गलियारों में झूठ के शॉर्टकट को जगह नहीं मिलती।

रामकिशोर मीणा का झूठ हारा और पुजारी परिवार का सच जीत गया।

न्यायालय किराया अधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय ने सेल अमीन को कब्ज़ा खाली करवाने के आदेश 17 मई 2023 को दे दिये हैं। रामकिशोर मीणा परिवार को गिरधारी मंदिर को पुनः ज़मीन वापस करनी होगी। न्यायालय के सेल अमीन को 3 माह में कार्यवाही करने के आदेश देते हुए निर्देशित किया है कि विवादित स्थल पर ताला लगे होने या शांति भंग होने की संभावना हो तो ताला तोड़ने की अनुमति के साथ-साथ पुलिस इमदाद की कार्यवाही की जाए एवं धारा 20 राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस इजराह में कब्ज़ा वारंट दिशा-निर्देशों के आधार पर सेल अमीन की उपस्थिति में डिक्रीदार को उपलब्ध करवाया जाए।

यदि परिसर में ताला लगा हो तो उसे तोड़कर कब्ज़ा दिलवाया जाए। किसी भी संदेह के निराकरण के लिए यह भी स्पष्ट किया गया कि कब्ज़े के परिसर के अंदर यदि कोई सामान पड़ा है तो उस सामान की सूची बनाकर मदयून को सौंपा दिया जाए या उसकी अनुपस्थिति में डिक्रीदार को सुपुर्द किया जाए। दोनों ही स्थिति में सामान की सूची बनाकर सामान जिसे सौंपा जाए उससे रसीद प्राप्त की जाए। कानून व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में संबंधित थाना अधिकारी से संपर्क कर महिला पुलिस या पुरुष पुलिस सुरक्षा भी ली जाए।

पण्डित देवेंद्र शर्मा व ललित शर्मा। पुजारी परिवार के वे सदस्य जिन्होंने सच के साथ रहकर व क़ानूनी लड़ाई लड़कर भी भुगती 26 दिन की सजा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों से बड़ा गहलोत सरकार का सियासी सिस्टम?

गिरिधारी मंदिर परिसर पर कब्जा करने वाले अतिक्रमी किरायेदार रामकिशोर मीणा के अवैध कब्ज़े पर निगम व पुलिस के संरक्षण में अवैध छत डाली दी गई। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की अवमानना कर भ्रष्ट तंत्र जीत गया।

पंडित राजेन्द्र शर्मा
गिरिधारी मंदिर के पुजारी परिवार में से एक सदस्य

- गिरिधारी मंदिर मामले में लगातार हो रही एक तरफ़ा कार्यवाही। राजस्थान के शासन-प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की नहीं है परवाह?
- आख़िरकार किराए पर ली गयी अवैध कब्ज़े की ज़मीन पर निगम व पुलिस की सुरक्षा में डाल दी गई अवैध छत!

सुप्रीम कोर्ट में ख़ुद को किरायेदार स्वीकारने वाला रामकिशोर मीणा नगर निगम हवामहल से फ़र्ज़ी पट्टा बनवाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की उड़ा रहा धज्जियाँ!

रामकिशोर मीणा, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना कर शासन-प्रशासन पर पुत्र रामप्रसाद मीणा की मौत का प्रेशर बनाकर आख़िर अवैध कब्ज़े पर छत डलवा ली!

शालिनी श्रीवास्तव
जयपुर (हिलव्यू समाचार)। गिरिधारी मंदिर,चाँदी की टकसाल,राजामल तालाब का मामला गर्माता जा रहा है। रामकिशोर मीणा द्वारा किरायेदार बनकर अवैध कब्ज़ाये हुए गिरिधारी मंदिर परिसर पर चुनावी साल को मद्देनज़र रखते हुए शासन और प्रशासन के सहयोग से अवैध छत आनन-फानन में डाल दी गयी है और रामकिशोर मीणा के पुत्र रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या से आंदोलित हुए समाज के एक बड़े तबके को संतुष्ट कर दिया गया।

रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या का मुख्य कारण

गिरिधारी मंदिर परिसर में किराए की आड़ में कब्ज़ाए भाग का नगर निगम हवामहल से अवैध पट्टा मिलीभगत कर रामकिशोर मीणा को दिया गया इससे पुत्र रामप्रसाद व पूरे मीणा परिवार का भ्रम और हौसले दोनों बढ़े और इसी बीच सर्वोच्च न्यायालय में दिए गए रामकिशोर मीणा के झूठे शपथ पत्र व नज़ीर की कार्यवाही प्रभाव में आने पर और सही फैसला होने की आशंका व सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का अपराध सारे मीणा परिवार के गले की हड्डी बन गया। मंदिर पुजारियों की न्यायिक लड़ाई के सकारात्मक परिणामों के कारण अवैध कब्ज़ाया हुआ गिरिधारी मंदिर परिसर मीणा परिवार को हाथ से जाता दिखाई देने लगा और इस तरह सारा मामला इस तरह गरमाया कि मृतक रामप्रसाद मीणा की मौत (आत्महत्या)का कारण बना।

गहलोत-शासन और प्रशासन की एक तरफ़ा कार्यवाही

रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या से माहौल संवेदनशील होकर लगातार एक तरफ़ा होता चला गया और दलित रामप्रसाद मीणा की आत्महत्या का दबाव गहलोत सरकार पर चुनावी साल में इतना गहरा बना जिसे गहलोत सरकार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकती थी चाहे उस आत्महत्या के मूल तथ्य कुछ भी रहे हों,वास्तविकता कुछ भी रही हो। भाजपा नेता राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा की अगुवाई में गहलोत सरकार पर दबाव बना और कई बड़े फ़ैसले मीणा परिवार के पक्ष में लिए गए जिनमें से कुछ फैसले गिरिधारी मंदिर के पुजारियों के लिए पीड़ा का विषय तो बने ही एक तरफा कार्यवाही का प्रतीक भी बने। पुजारी परिवार के दो सदस्यों को आनन-फ़ानन में गिरफ़्तार कर मामले पर ठंडे छींटे डाले गए जबकि जिस अपराध के लिए पुजारी परिवार के देवेंद्र शर्मा और ललित शर्मा को गिरफ़्तार किया गया वह वजह ही नहीं बनती गिरफ्तार करने की। इसी बीच गहलोत सरकार व प्रशासन द्वारा मामले की गहराई में नहीं जाकर कब्ज़े की जमीन को रामकिशोर मीणा के सूपुर्द कर छत डलवाना बड़ा ही हास्यास्पद निर्णय रहा।गहलोत सरकार व प्रशासन की यह एक तरफ़ा कार्यवाही कई बड़े सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ा प्रश्न

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना,अवमानना करते हुए,उसे दरकिनार करते हुए किस तरह और क्यों अवैध कब्ज़े पर,अतिक्रमण की गई ज़मीन पर छत डालकर अतिक्रमी रामकिशोर मीणा को सरकार संतुष्ट कर रही है? क्या सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बड़ा हो गया सियासी सिस्टम?

पुजारी परिवार द्वारा सुप्रीम कोर्ट की अवमानना के क्रम में राजस्थान सरकार,प्रशासन,निगम व रामकिशोर मीणा को दिए गए लीगल नोटिस जिसके बावजूद भी कब्ज़े की ज़मीन पर निगम व पुलिस की देखरेख में अवैध छत डाल दी गयी।

यह दोहरे मापदंड क्यों?

एक तरफ़ नगर निगम हवामहल जयपुर हैरिटेज द्वारा 250 साल पुराने हैरिटेज गिरिधारी जी मंदिर के वर्षों पुराने किरायेदारों को नोटिस भेजा जा रहा है और दूसरी तरफ़ सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना व वास्तविकता को परे रखकर अवैध कब्ज़े पर अवैध छत डलवाकर रामकिशोर मीणा किरायेदार व अतिक्रमी का निर्माण कार्य निगम व पुलिस की देखरेख में सरकार के आदेशों पर हवामहल नगर निगम करवा रहा है?

एकमात्र हिलव्यू समाचार ही खड़ा था सच के साथ...

गिरिधारी मंदिर के पुजारी परिवार के क़ानूनी लड़ाई के सफर व सच को एक मात्र हिलव्यू समाचार ने लगातार प्रकाशित किया और आख़िर सत्य की जीत हुई। गिरिधारी मंदिर को कब्ज़े की ज़मीन और परिवार के दो सदस्यों को मिली जेल से आज़ादी।

पाँच सूत्री मांगों पर NSUI का प्रदर्शन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में 5 सूत्रीय मांगों को लेकर एनएसयूआई ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। इकाई अध्यक्ष अक्षय सिंह ने बताया कि सेमेस्टर को लेकर चल रही अनियमितताएं और यूजी में प्रवेश 15 जून से पूर्व कराने, महाविद्यालयों में ई-मित्र लगवाने, एमपेट परीक्षाएं जल्द से जल्द आयोजित करवाने, राजस्थान अध्ययन केंद्र में पीएचडी को शामिल करने सहित स्पेनिश और जर्मन भाषा में स्नातकोत्तर को शुरू करने जैसी विभिन्न मांगो को लेकर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई प्रदेश प्रवक्ता अमरदीप परिहार ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय में संगठन महाविद्यालय की प्रवेश सूची अगस्त तक जारी करते रहते हैं, जिसके कारण ग्रामीण परिवेश के बच्चे प्राइवेट कॉलेजों में एडमिशन लेने के लिए विवश हो जाते हैं। प्रदर्शन में गोविंद मलिंडा, महेश चौधरी, राजेंद्र गोरा, हेमंत पुजारी, राहुल महला, हितेश यादव, रोहिताश मीणा, राजकुमार बैरवा, मनीष चारण, मालीराम सैनी,अमित चौधरी, नरेन्द्र यादव सहित कई छात्र मौजूद रहे।

दख़ल

प्रकृति को देना भी सीखें

हम प्रकृति से लेना तो जानते हैं, मगर उसे लौटाना नहीं। भूजल का दोहन जिस प्रकार से हो रहा है, उसे संचय नहीं किया जा रहा है। जलसंकट की जो स्थिति आज हमारे सामने है, उसके जिम्मेदार भी हम ही हैं। देश के कई शहर आज जलसंकट का सामना कर रहे हैं। देखा जाए तो थोड़ी सी एहतियात बरतकर हम इस संकट से निजात पा सकते हैं, लेकिन इसके लिए इच्छाशक्ति चाहिए। एक पौधा रोपकर भी हम इस समस्या को हरा सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक जनसंख्या के आंकड़े जारी कर दिए हैं। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ के पार पहुंच गई है। पिछले नौ साल में बाकी सभी देशों की तुलना करें तो भारत की जनसंख्या सबसे तेज रफ्तार से बढ़ी है। दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश अब भारत ही है, चीन की आबादी इस समय भारत से 30 लाख कम है। अगर चीन की जनसंख्या बढ़ोतरी की रफ्तार देखें तो पिछले नौ साल में वह सिर्फ 0.5 फीसद सालाना की दर से बढ़ी, जबकि इसी दौरान भारत की जनसंख्या 1.2 फीसद की दर से बढ़ी। भारत में बढ़ती जनसंख्या के साथ संसाधनों की जरूरत भी बढ़ती है। हर देश के पास अपनी आबादी की गुजर बसर के लिए संसाधन सीमित होते हैं। कुछ प्राकृतिक संसाधन तो स्थिर होते हैं जिन्हें बढ़ाया नहीं जा सकता, जैसे-जल संसाधन। भारत इस समय अगर सबसे ज्यादा किसी चीज की कमी से जूझ रहा है तो वह पानी ही है। जिस रफ्तार से भारत की आबादी बढ़ रही है उस रफ्तार से पानी का इंतजाम करने में हम साल दर साल नाकाम होते जा रहे हैं।

यह एक तथ्य है कि प्रचुर वर्षा के कारण कभी भारत जल संपन्न देश समझा जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। आबादी बढ़ने से हम जल संपन्न देशों की सूची से बाहर हो गए हैं। यह अलग बात है कि इस भयावह हकीकत का पता हमें इसलिए नहीं चल रहा है क्योंकि हम पानी की जरूरत पूरी करने के लिए भूजल पर निर्भरता बढ़ाते आए हैं। मौजूदा हालात यह हैं कि भूजल भी चुक जाने को आ गया है। भारत सरकार की एक रिपोर्ट आई है कि दो-तीन साल के भीतर ही देश के कई शहरों का भूजल स्तर हमारी पहुंच से नीचे गिर जाएगा। इस समय विश्व में जितना भूजल निकाला जा रहा है उसका एक चौथाई यानी 25 फीसद सिर्फ भारत निकाल रहा है जबकि इस समय विश्व को प्रकृति से जितना ताजा पानी मिलता है उसमें भारत के हिस्से में सिर्फ चार फीसद ही आता है।

संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञ एजेंसी (एफएओ) फूड एंड एग्रीकल्चर आर्गेनाइजेशन के हिसाब से प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष कम से कम दो हजार घन मीटर पानी चाहिए। जिस देश में प्रति व्यक्ति इससे कम पानी उपलब्ध हो, उसे जल अभाव वाले देश की श्रेणी में ही रखा जाता है। अगर यह उपलब्धता एक हजार घन मीटर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष से कम हो तो उस देश को गंभीर जल अभाव की श्रेणी में रखा जाता है। देश को आजादी मिलने के समय हमारी आबादी 33 करोड़ थी और बारिश से हमें हर साल चार हजार अरब घन मीटर पानी मिलता था। तब प्रति व्यक्ति सालाना जल उपलब्धता पांच हजार छह सौ घन मीटर थी, यानी अंतरराष्ट्रीय मानदंड के लिहाज से पर्याप्त से कोई ढाई गुनी ज्यादा। लेकिन अब 2019 में हमारी आबादी एक अरब 36 करोड़ हो चुकी है, यानी आजादी के बाद से आज तक आबादी चार गुना बढ़ गई जबकि बारिश से मिलने वाले पानी की मात्रा वही है। इस तरह से इस वक्त भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष जल की उपलब्धता लगभग एक हजार चार सौ घनमीटर ही बची है। लेकिन यह आंकड़ा उपलब्ध पानी का है, इस्तेमाल होने लायक पानी का नहीं। इसके लिए बारिश के पानी के सही-सही हिसाब-किताब पर गौर करना पड़ेगा।

भले ही देश की धरती पर वर्षा और हिमपात के रूप में चार हजार अरब घनमीटर पानी बरसता है, लेकिन यह पूरा का पूरा पानी इस्तेमाल के लिए उपलब्ध नहीं है। इस चार हजार अरब घनमीटर पानी में से आधे से ज्यादा यानी दो हजार 131 घनमीटर पानी भाप बन कर उड़ जाने से और देश की विशिष्ट भू-आकृति के कारण इधर-उधर से बह कर समुद्र में चला जाता है। काफी कुछ पानी जमीन सोख लेती है। इसीलिए जल विज्ञानी हिसाब लगाते हैं कि सिर्फ एक हजार 869 अरब घनमीटर पानी हमें नदियों में और भूजल के पुनर्भरण के रूप में उपलब्ध है, लेकिन भारत की स्थलाकृति के कारण यह एक हजार 869 अरब घनमीटर पानी भी पूरा का पूरा हमारी पहुंच में नहीं है। इस समय हमारी पहुंच सिर्फ एक हजार 123 अरब घनमीटर पानी तक है। इस आंकड़े में भी सतही जल सिर्फ 690 अरब घनमीटर है। बाकी 433 अरब घनमीटर पानी भूजल के रूप में उपलब्ध है।

बेशक यह भूजल एक प्रकार से वर्षा का पानी है जो रिस कर जमीन में जमा होता है, लेकिन चिंताजनक तथ्य यह है कि बारिश का पानी जमीन में रिस कर कम मात्रा में जा रहा है और हम भूजल का दोहन ज्यादा कर रहे हैं। दुनिया में सभी देश अपनी जल संचयन क्षमता बढ़ाने में लगे हैं। अमेरिका अपने हर नागरिक के लिए प्रति वर्ष पांच हजार घन मीटर जल का संचयन कर लेता है। मेक्सिको तक प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष एक हजार घन मीटर जल संचयन कर रहा है। जबकि भारत में प्रति व्यक्ति सालाना 225 घन मीटर पानी का संचयन हो पा रहा है। यह आंकड़ा भी औसत लेकर निकाला गया है। इस समय भारत में बांधों और जल संचयन के दूसरे साधनों की संख्या व क्षमता दोनों ही जरूरत से बहुत पीछे है। देश में उपलब्ध पांच हजार से ज्यादा छोटे-बड़े बांध इस समय वर्षा से मिल रहे पानी को रोक कर रखने के लिए अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। इसका सबसे बड़ा साक्ष्य पिछले साल के बारिश के आंकड़े हैं। पिछले साल सामान्य बारिश रहने के बावजूद कुछ ही महीनों के अंदर देश का 47 फीसद क्षेत्र सूखे की चपेट में आ गया था। सूखे के आंकड़े आईआईटी-गांधीनगर ने महीने भर पहले जारी किए हैं। मानसून के समय बाढ़ और कुछ ही महीनों बाद देश में सूखा पड़ना जल प्रबंधन की नाकामी का सबूत है।

पिछले साल ही नीति आयोग ने देश में पानी की स्थिति पर एक रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि आने वाले दो-तीन साल में देश के 21 शहरों का भूजल लगभग समाप्त हो जाएगा। इस समय सबसे ज्यादा भूजल का दोहन कृषि के लिए किया जा रहा है। नीति आयोग की रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि वर्ष 2030 तक भारत में पानी की मांग आपूर्ति की तुलना में दुगनी हो चुकी होगी। अब जनसंख्या के नवीनतम आंकड़ों के हिसाब से यह आफत 2030 के पहले भी आ सकती है। हालत अब इतनी नाजुक है कि अगर किसी भी साल मौसम ने थोड़ी-सी भी ऊंच-नीच कर दी तो नतीजे कई गुने भयानक हो सकते हैं। वैसे यह अंदेशा इसी साल खड़ा हो गया है। कुछ दिनों पहले ही यह बताया गया है कि इस साल अल नीनो प्रभाव के कारण भारत में बारिश सात फीसद कम होगी। उसके बाद सरकारी मौसम विभाग ने भी इस साल तीन फीसद कम बारिश का अनुमान लगाया है। जब देश का आधे से ज्यादा हिस्सा पहले से ही सूखे की चपेट में हो, बांध और जलाशय खाली पड़े हों, वैसी हालत में कम बारिश के अनुमान कुछ ज्यादा ही डरा रहे हैं।

यह भी तय है कि पानी की कमी की समस्या अब साल दर साल और गंभीर होती जाएगी। अगर जल संचयन की क्षमता बढ़ाने के काम को जल्द से जल्द और सर्वोच्च प्राथमिकता में न लाया गया तो बात हाथ से निकल जाएगी। जलसंकट की जो स्थिति आज हमारे सामने है, उसके जिम्मेदार भी हम ही हैं। हम प्रकृति से लेना तो जानते हैं, मगर उसे लौटाना नहीं। भूजल का दोहन जिस प्रकार से हो रहा है, उसे संचय नहीं किया जा रहा है। बहुत से लोगों को शायद ही याद हो कि उन्होंने आखिरी बार पौधरोपण कब किया था। फिर समस्या कैसे हल होगी। प्रकृति और हम एक-दूसरे के पूरक हैं। यह समझना होगा।

सुविज्ञा जैन
(वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादकीय

सिद्धारमैया से पिछड़े डीके

कांग्रेस ने आखिरकार कर्नाटक में मुख्यमंत्री का नाम तय कर लिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया कर्नाटक के मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने सीएम की रेस में डीके शिवकुमार को पीछे छोड़ दिया। डीके का पीछे हटना मजबूरी है या फिर कोई दांव, आगे पता चलेगा।

पांच दिनों तक मंथन के बाद आखिरकार कांग्रेस ने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री का नाम फाइनल कर ही लिया। कांग्रेस के वरिठ नेता सिद्धारमैया कर्नाटक के मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने सीएम की रेस में कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को पीछे छोड़ दिया। डीके शिवकुमार भी लगातार कोशिश करते रहे, लेकिन बात नहीं बनी। सिद्धारमैया डीके शिवकुमार पर भारी पड़े। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि आखिर जिस चेहरे को आगे करके कांग्रेस ने पूरा चुनाव लड़ा उसे सीएम क्यों नहीं बनाया? सिद्धारमैया को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाने की क्या वजह है? बड़ा कारण डीके शिवकुमार पर चल रहे मुकदमे हैं। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चिंता यही रही कि डीके शिवकुमार के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। इस बीच, कर्नाटक के डीजीपी प्रवीण सूद को ही सीबीआई का नया डायरेक्टर भी बना दिया गया है। कहा जाता है कि सीबीआई के नए डायरेक्टर डीके शिवकुमार को करीब से जानते हैं।

दोनों के बीच बिल्कुल नहीं बनती है। ऐसे में कांग्रेस को लगा कि अगर डीके शिवकुमार को सीएम बना दिया जाता है तो सीबीआई उनकी पुरानी फाइलों को खोल देगी, जिसका नुकसान सरकार को उठाना पड़ेगा। नतीजे आने के बाद जिस तरह से सूद को सीबीआई का डायरेक्टर बनाया गया, उसमें भाजपा को लगता था कि शिवकुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे और सूद के जरिए वह कर्नाटक में कांग्रेस को कमजोर कर सकेगी। दूसरा बड़ा कारण सिद्धारमैया को ज्यादातर विधायकों का साथ मिला। चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीटों पर जीत हासिल की है। बताया जाता है कि विधायक दल की बैठक में 95 विधायकों ने खुलकर सिद्धारमैया का नाम लिया। मतलब विधायक सिद्धारमैया को ही मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। ऐसे में अगर कांग्रेस ने सिद्धारमैया की जगह डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना दिया होता तो संभव है कि आगे चलकर सिद्धारमैया बगावत कर सकते थे और लोकसभा चुनाव में नुकसान हो सकता था।

फिर सिद्धारमैया की पकड़ हर तबके में काफी अच्छी है। खासतौर पर दलित, पिछड़े और मुसलमानों के बीच वह काफी लोकप्रिय हैं। ऐसे में अगर सिद्धारमैया को कांग्रेस ने मुख्यमंत्री नहीं बनाया होता तो संभव है कि वह पार्टी के खिलाफ जा सकते थे। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के हाथों से दलित, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग का एक वोट बैंक भी खिसक सकता था। 2013 और 2018 में सरकार के बावजूद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का परफॉरमेंस ठीक नहीं था। सिद्धारमैया को पार्टी और सरकार दोनों को चलाने का अनुभव है। कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीटें हैं, जिसमें से 2019 में कांग्रेस को एक सीटें मिली थी। ऐसे में अब जब फिर से सरकार बन चुकी है तो कांग्रेस ने ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य बनाया है। इसके लिए हाईकमान को सिद्धारमैया का चेहरा ज्यादा मजबूत समझ में आया और डीके पीछे छूट गए।

एड्स की भ्रांतियां दूर करें

एड्स को लेकर अभी तक स्थापित तथ्य यही है कि एचआइवी (ह्यूमन इम्यूनो डेफिसिएंसी विषाणु) के एक बार शरीर में प्रवेश कर जाने के बाद इसे किसी भी तरीके से बाहर निकालना असंभव है और यही विषाणु धीरे-धीरे एड्स नाम की बीमारी में परिवर्तित हो जाता है। हालांकि एड्स अपने आप में बीमारी नहीं है, बल्कि एचआईवी के संक्रमण के बाद जब रोगी व्यक्ति छोटी-छोटी बीमारियों से लड़ने की शारीरिक क्षमता खोने लगता है व शारीरिक शक्ति क्षीण पड़ जाती है, तब जो भयावह स्थिति पनपती है, वही एड्स है। एचआईवी संक्रमण को एड्स की स्थिति तक पहुंचने में दस से बारह साल और कभी-कभी तो इससे भी ज्यादा समय लग सकता है। इस बीमारी की भयावहता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि इसकी वजह से दुनियाभर में हर साल लाखों लोग मर जाते हैं।

हालांकि एड्स के खात्मे के लिए दुनियाभर में निरंतर प्रयास जारी हैं, किंतु अभी तक किसी ऐसे स्थायी इलाज की खोज नहीं हो सकी है, जिससे एड्स के पूर्णरूप से सफल इलाज का दावा किया जा सके। यही कारण है कि एड्स और एचआइवी के बारे में हर व्यक्ति को पर्याप्त जानकारी होना अनिवार्य माना जाता है, क्योंकि अभी तक जन-जागरूकता के जरिए ही इस बीमारी से बचा और बचाया जा सकता है। ऐसे में हर साल एक दिसंबर को मनाए जाने वाले एड्स दिवस के महत्व को आसानी से समझा जा सकता है। मकसद 'एड्स' बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दिवस को मनाने की कल्पना पहली बार अगस्त, 1987 में थॉमस नेट्टर और जेम्स डब्ल्यू बन्न ने की थी। ये दोनों विश्व स्वास्थ्य संगठन व स्विट्जरलैंड के 'एड्स ग्लोबल कार्यक्रम' के लिए सार्वजनिक सूचना अधिकारी थे, जिन्होंने 'एड्स दिवस' का विचार 'एड्स ग्लोबल कार्यक्रम' के निदेशक जॉननाथन मन्न के साथ साझा किया था। डॉ मन्न द्वारा दोनों के इस विचार को स्वीकृति दिए जाने के बाद एक दिसंबर 1988 से हर साल इस दिन 'विश्व एड्स दिवस' मनाए जाने का फैसला हुआ।

2007 के बाद से विश्व एड्स दिवस को अमेरिका के 'वाइट हाउस' द्वारा लाल रंग के एड्स रिबन का एक प्रतिष्ठित प्रतीक देकर शुरू किया गया। एचआइवी-एड्स पर यूएन एड्स के नाम से जाना जाने वाला संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम सन् 1996 में शुरू हुआ और उसके बाद ही दुनियाभर में इसे बढ़ावा देना शुरू किया गया। एक दिन के बजाय साल भर एड्स कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस कार्यक्रम की शुरुआत बेहतर संचार, बीमारी की रोकथाम और रोग के प्रति जागरूकता पैदा करने उद्देश्य से की गई। 1981 में अमेरिका में लॉस एंजिलिस के अस्पतालों में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी साकोर्मा और चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। उसके बाद ही यह बीमारी दुनिया भर में फैलती गई। भारत में एड्स का पहला रोगी 1986 में तमिलनाडु के वेल्लूर में मिला था। इसके बाद देश में एचआईवी के मामलों में लगातार होती वृद्धि के मद्देनजर एचआइवी और एड्स की रोकथाम व नियंत्रण संबंधी नीतियां तैयार करने और उनका कार्यान्वयन करने सरकार ने 1992 में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की स्थापना की थी।

पिछले कई वर्षों से एड्स और एचआइवी को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विडंबना ही है कि बहुत से लोग इसे आज भी छुआछूत से फैलने वाला संक्रामक रोग मानते हैं। इस संबंध में यह जान लेना बेहद जरूरी है कि इस संक्रमण के शिकार व्यक्ति के साथ हाथ मिलाने, उसके साथ भोजन करने, स्नान करने या उसके पसीने के संपर्क में आने से यह रोग नहीं फैलता।

यूनीसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में एड्स पीड़ित सर्वाधिक संख्या किशोरों की है, जिनमें से दस लाख से भी अधिक किशोर दुनिया के छह देशों दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, केन्या, मोजांबिक, तंजानिया और भारत में हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमान के अनुसार भारत में अब तक एड्स के कारण डेढ़ लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों बच्चे एचआईवी के शिकार हैं। बहुत से देशों में तो एचआइवी ही शिशु मृत्यु का एकमात्र कारण बन चुका है। अब तक के अध्ययन बताते हैं कि 80 फीसद से ज्यादा मामलों में एचआईवी संक्रमण असुरक्षित यौन संबंधों के कारण होता है। इसके अलावा 7.6 फीसद मामलों में एचआइवी संक्रमित रक्त ग्रहण करने से, 5.5 फीसद मामलों में संक्रमित सुई अथवा सीरिंज से, 5.2 फीसद मामलों में संक्रमित मां से बच्चे में और 0.7 फीसद तक मामलों में अन्य कारणों से एचआइवी संक्रमण होता है। मां से शिशु को होने वाले संक्रमण के मामलों में दस से तीस फीसद मामलों में शिशुओं में ये विषाणु तब प्रवेश करते हैं, जब शिशु गर्भ में होता है, जबकि 40 से 60 फीसद मामलों में विषाणु प्रसव के दौरान शिशु में प्रवेश करते हैं और 30 फीसद मामलों में शिशुओं में ये विषाणु मां के दूध के द्वारा प्रवेश करते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'नॉलेज इन पावर' नामक एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 21 लाख एचआईवी संक्रमित मरीज हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में खुलासा भी हुआ कि भारत में 79 फीसद मरीजों को ही एचआईवी संक्रमित होने की जानकारी है, जबकि 21 फीसद एचआईवी संक्रमितों को इस बारे में पता ही नहीं है। जिन उनयासी फीसद मरीजों को अपने संक्रमण की जानकारी है, उनमें से भी केवल 56 फीसद का इलाज ही एंटी-रिट्रोवायरल थैरेपी से हो रहा है, जबकि बाकी मरीजों का कोई इलाज नहीं हो रहा। ऐसे में इस खतरनाक बीमारी के प्रसार का खतरा बरकरार है। हालांकि ऐसा नहीं है कि एचआईवी संक्रमित हो जाने का अर्थ निश्चित मौत ही है, क्योंकि इस संक्रमण को खत्म करने का पूर्ण इलाज भले ही अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसे निष्क्रिय करने के लिए एंटी-रिट्रोवायरल थैरेपी का सहारा लिया जाता है, जिससे एचआईवी मरीज सामान्य जिंदगी जी सकता है। इस प्रक्रिया में हर 12 महीने में मरीज को जांच करानी होती है।

'ग्लोबल हेल्थ' के विशेषज्ञों के अनुसार इस उपचार को लेने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है और एड्स के विषाणु से मरने वालों की संख्या में प्रतिवर्ष कमी आ रही है। हालांकि यह रफ्तार अभी धीमी है और अभी भी दुनिया में एचआईवी से संक्रमित होने वालों की संख्या 18 लाख सालाना से अधिक है। अमेरिका में ही 11 लाख लोग एड्स और एचआईवी से पीड़ित हैं। पिछले कई वर्षों से एचआईवी को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विडंबना ही है कि बहुत से लोग आज भी छुआछूत से फैलने वाला संक्रामक रोग मानते हैं। इस संबंध में यह जान लेना बेहद जरूरी है कि संक्रमण के शिकार व्यक्ति के साथ हाथ मिलाने, उसके साथ भोजन करने, स्नान करने या उसके पसीने के संपर्क में आने से यह रोग नहीं फैलता।

एड्स के प्रति जागरूकता पैदा किए जाने की नितांत आवश्यकता तो है ही, समाज में ऐसे मरीजों के प्रति हमदर्दी और प्यार का भाव होना और ऐसे रोगियों का हौसला बढ़ाने की जरूरत भी है। बहुत से मामलों में आज भी जब यह देखा जाता है कि एचआईवी संक्रमित मरीज न केवल अपने आस-पड़ोस के लोगों, बल्कि अपने ही परिजनों के भेदभाव का भी शिकार होते हैं तो चिंता पैदा होती है। इसलिए इस बीमारी का कारगर इलाज खोजे जाने के प्रयासों के साथ-साथ ऐसे मरीजों के प्रति समाज और परिजनों की सोच को बदलने के लिए अपेक्षित कदम उठाने की भी सख्त जरूरत है। इसके बिना जिस बदलाव की अपेक्षा हम कर रहे हैं, वह संभव नहीं है। ऐसा नहीं होगा तो एड्स पर नियंत्रण भी नामुमकिन हो जाएगा।

योगेश कुमार गोयल
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

मैं फैसले से खुश नहीं हूं लेकिन कर्नाटक के लोगों के हित में, हम चाहते हैं कि हम अपने वादों को पूरा करें। यही वजह है कि डीके ने फैसले को स्वीकार किया है।

डीके सुरेश, कांग्रेस सांसद

डीके ने राज्य के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भर दी है। इसमें कोई शक नहीं है। शिवकुमार अध्यक्ष थे और सिद्धारमैया साथ थे। दोनों कर्नाटक में बहुत बड़ा कद रखते हैं।

केसी वेणुगोपाल, महासचिव

सत्यार्थ

साधना और पलायन

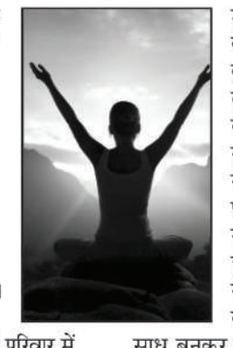

यह उस समय की बात है, जब स्वामी रामकृष्ण परमहंस की चर्चा दूर-दूर तक होने लगी थी। लोगों में, खासकर युवा पीढ़ी में उनका शिष्य बनने की होड़ सी लग गई थी। एक दिन इस उद्देश्य से ही एक युवक परमहंसजी के पास पहुंचा और उन्हें प्रणाम करके बोला- महात्मन्, मुझे भी अपना शिष्य बना लीजिए और गुरुमंत्र दे दीजिए, ताकि मैं भी संत बन सकूं। युवक की बात सुनकर परमहंस मुस्कराए। फिर उन्होंने पूछा- तुम्हारे परिवार में तुम्हारे अलावा और कौन-कौन है? युवक ने उत्तर दिया- मेरे घर में मेरे अलावा केवल मेरी बुजुर्ग मां है। परमहंस कुछ देर तक मौन रहे, फिर पूछा- तुम गुरुमंत्र लेकर साधु क्यों बनना चाहते हो? यह सवाल सुनकर युवक बोला-मैं मोहमाया से भरे संसार को छोड़कर मुक्ति पाना चाहता हूं। परमहंस ने उसको समझाया कि तुम मुक्ति नहीं चाहते, बल्कि अपनी जवाबदेही से भाग रहे हो। मुक्ति तो एक बहाना मात्र है। तुम्हें लगता है कि साधु बनकर तुम बिना किसी दायित्व के जीवनयापन कर लोगे। तुम्हारा काम इससे चल ही जाएगा, बाकी लोग चाहे जो करें। यह साधना नहीं पलायन है। आजकल बहुत से लोग ऐसा ही कर रहे हैं। यह अपनी शक्ति का दुरुपयोग है। अपनी बूढ़ी मां को असहाय छोड़ोगे, तो तुम्हें मुक्ति कभी नहीं मिलेगी। तुम्हारी सच्ची मुक्ति तो इसमें ही है कि तुम पूरी शक्ति लगाकर अपनी बुजुर्ग और असहाय माता की सेवा करो। उनकी सेवा ही ईश्वर की भक्ति है। वैसे भी माता को ग्रंथों में ईश्वर के जैसा बताया गया है। युवक परमहंस की बात समझ गया। उसने साधु बनने की योजना छोड़ दी और घर लौटकर अपनी मां की सेवा में जुट गया। ऐसे परम संत थे, रामकृष्ण परमहंस, जो भटके हुए लोगों को राह दिखाते थे।

एक नज़र

हर संभाग में खुलेगा दुर्रानी आवासीय स्पोर्ट्स स्कूल

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के हर संभाग में सलीम दुर्रानी आवासीय स्पोर्ट्स स्कूल स्थापित करने के वित्तीय प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। प्रस्ताव के अनुसार, प्रदेश के बीकानेर, कोटा, अजमेर, उदयपुर एवं भरतपुर संभाग में सलीम दुर्रानी आवासीय स्पोर्ट्स स्कूल स्थापित किए जाएंगे। जिसके लिए 69.20 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। बता दें, मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में हर संभाग में स्पोर्ट्स स्कूल खोलने की घोषणा की थी। प्रदेश के जयपुर एवं जोधपुर संभाग में आवासीय खेल स्कूल प्रारंभ करने की स्वीकृति पूर्व में ही दी जा चुकी है।

'सेट' का परिणाम हुआ जारी, 7208 परीक्षार्थी पास

जयपुर। प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए अनिवार्य राज्य पात्रता परीक्षा 'सेट' का परिणाम गुरुवार को जारी हुआ। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने ऑनलाइन परिणाम जारी किया। परीक्षा में 1,35,323 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे। जिसमें 1,09,796 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए तथा 7,208 ने परीक्षा पास की। इस परीक्षा में पहली बार राज्य लोक सेवा आयोग के बजाय किसी विश्वविद्यालय को परीक्षा के आयोजन का जिम्मा मिला था। गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा की ओर से यह परीक्षा आयोजित की गई थी।

बजट घोषणाओं की समीक्षा: सीएम गहलोत बोले...

लगता है इस बार जनता हमें चुनाव जिताकर रहेगी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का फरि भरोसा जताते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों में एक भावना पैदा हुई और उन्हें लगता है कि जनता इस बार चुनाव जिताकर ही रहेगी। इसके साथ ही गहलोत ने संकेत दिया कि कांग्रेस का चुनाव अभियान सरकार की जनकल्याणकारी व विकास योजनाओं पर केंद्रित रहेगा। गहलोत ने गुरुवार को शासन सचिवालय बजट के क्रियान्वयन की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से कहा कि ये (विपक्षी भाजपा) लफ्फाजी करेंगे तो जनता पूछेगी कि अपनी लफ्फाजी के पहले मायने बताइए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा वाले चाहे जितने नारे लगाएंगे, साधन झोंकेंगे, रोड शो करेंगे और बड़ी-बड़ी बातें करेंगे। धर्म के नाम पर जाति के नाम पर, हम जवाब देंगे ही नहीं उनको। हम अपना काम करेंगे।

सीएम गहलोत ने कहा कि विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों औए कार्यक्रमों को पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशीलता से लागू किया जा रहा है। महंगाई राहत शिविरों का आयोजन जवाबदेह और संवेदनशील प्रशासन का बेहतरीन मॉडल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों द्वारा 2019 से 2023 तक की गई बजट घोषणाओं की क्रियान्विति प्रशंसनीय है। गहलोत ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य का अधिकार (राइट टू हेल्थ) कानून के नियमों को शीघ्र बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी शिक्षकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने अधिकारियों को अन्य राज्यों में बनी स्थानान्तरण नीतियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने गिगवर्कर्स (डिलिवरी बॉय आदि) को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए बोर्ड के गठन संबंधी कार्य को गति देने के भी निर्देश प्रदान किए।

अब तक 4146 बजट घोषणाएं

समीक्षा बैठक में बताया गया कि समाज के सभी वर्गों को केन्द्र में रखते हुए 2019 से 23 तक 4146 बजट घोषणाएं की गई हैं। इनके समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए विभागीय कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य की निरंतर प्राप्ति की जा रही है। गत 24 अप्रेल से प्रदेश में महंगाई राहत शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। अब तक 1 करोड़ से अधिक परिवारों को 4.75 करोड़ से अधिक मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। बैठक में गहलोत ने कहा कि यह कैम्प सुशासन का बेहतरीन मॉडल है। इससे गरीब, महिला, निशक्तजन और किसान मौके पर ही लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को गति देने, कार्मिकों के लिए साल में दो बार डीपीसी सुनिश्चित करने, सीआईएसएफ के तर्ज पर आरआईएसएफ के गठन, महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने, खाद्य बीज की समयबद्ध आपूर्ति, रीको के नए क्षेत्र स्थापित करने, मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए।

'द केरल स्टोरी' फिल्म दिखाकर दी हेट स्पीच पर एक्शन

साध्वी प्राची सहित 6 लोगों के ख़िलाफ़ एफआईआर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'द केरल स्टोरी' फिल्म को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। जयपुर के विद्याधर नगर थाने में अब फिल्म दिखाकर भड़काऊ भाषण देने के मामले में पुलिस ने 6 लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज की है।

मामले के जांच अधिकारी थाना प्रभारी वीरेन्द्र कुरील ने बताया कि थाने के एएसआई मदन लाल की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट में एएसआई ने बताया कि टाइम स्क्वायर मॉल स्थित फन स्टार सिनेमा उनकी बीट में आता है। जहां पर 14 मई को सुबह के शो में 'द केरल स्टोरी' हिन्दी फिल्म दिखाई गई। इस शो की केशव अरोड़ा, आशीष सोनी और विजेन्द्र ने टिकट बुक करवाई थी और ये लोग ही फिल्म दिखाने के लिए दर्शकों को लेकर आए थे। इसी शो में साध्वी प्राची व हिन्दू युवा वाहिनी के भारत शर्मा भी आए थे। साध्वी ने फिल्म पूरी होने के बाद धार्मिक भावनाओं को आहत करने को लेकर फिल्म से जुड़े तथ्यों को जोड़कर समुदाय विशेष को लेकर भड़काऊ भाषण दिया। उस भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ। जबकि इसको लेकर सिनेमा हॉल के मैनेजिंग स्टाफ ने भी कोई सूचना नहीं दी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आईटी एक्ट व धार्मिक भावनाओं को आहत करने की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अल्पसंख्यक छात्रावास भूमि आवंटन पर संघर्ष समिति सड़कों पर

भूमि आवंटन के विरोध में बंद सांगानेर, लोगों का पैदल मार्च

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल की ओर से अल्पसंख्यक स्टूडेंट्स के लिए किए गए भूमि आवंटन के विरोध में गुरुवार को सांगानेर बंद रहा। सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति ने प्रदर्शन किया और भूमि आवंटन का विरोध जताया। बंद को सफल बनाने के लिए भाजपा नेताओं सहित कई संगठनों ने प्रदर्शन किया और समुदाय विशेष के छात्रावास के लिए दी गई जमीन के आवंटन रद्द करने की मांग रखी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार तुष्टिकरण की राजनीति के चलते ऐसा कर रही है। ऐसा इलाका जहां एक विशेष वर्ग का बाहुल्य है, वहां पर एक अलग से समुदाय के छात्रावास के लिए जमीन आवंटन करना गलत है। इससे आए दिन यहां विवाद होने के आसार बढ़ गए हैं। संघर्ष समिति के प्रवक्ता रविन्द्र शर्मा ने बताया कि इस आवंटन को रद्द करने के लिए स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च निकाला।

90 प्रतिशत लोग एक वर्ग के: बोहरा

सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि सांगानेर क्षेत्र में रहने वाले 90% लोग एक वर्ग के हैं और सरकार एक विशेष समुदाय के लोगों के लिए छात्रावास बनाने का प्रयास कर रही है। इसे नहीं बनने दिया जाएगा। भाजपा विधायक अशोक लाहोटी ने राज्य सरकार पर मुस्लिम समाज को प्राथमिकता पर रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार का यह निर्णय शांति प्रिय क्षेत्र के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। कांग्रेस को एक विशेष समुदाय से प्रेम है। हमने छात्रावास के लिए मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में भूमि आवंटन का सुझाव दिया है। लाहोटी ने कहा कि छात्रावास बनाने के लिए विशेष समुदाय को हिंदू बाहुल्य क्षेत्र में करोड़ों की जमीन मुफ्त में आवंटित करके तुष्टिकरण कर रही है।

JDC का गांधी दर्शन म्यूजियम का दौरा

100 करोड़ से बन रहा म्यूजियम, जून तक खुलेगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सेन्ट्रल पार्क में सौ करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा गांधी दर्शन म्यूजियम जून तक आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसमें जेडीए की ओर से 100 करोड़ का खर्च किया जा रहा है, जहां एक हजार से अधिक पेड़-पौधे लगाकर इस क्षेत्र को एक घने वृक्षों के झुरमुट, प्राकृतिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इधर, जयपुर विकास आयुक्त डॉ. जोगाराम ने गुरुवार को गांधी दर्शन म्यूजियम का दौरा किया और बारीकी से प्रोजेक्ट के बारे में जाना। उन्होंने म्यूजियम का मौका निरीक्षण कर निदेशक अभियांत्रिकी देवेंद्र गुप्ता से प्रोजेक्ट के संबंध में बारीकी से जानकारी लेते हुए प्रोजेक्ट को तय समय सीमा में पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। जेडीसी ने डिजिटल और डिजिटल तकनीक से सम्बंधित करवाये जा रहे कार्यों, बाहरी विकास व अन्य शेष करवाये जा रहे कार्यों का अवलोकन भी किया। दौरे के दौरान संबंधित अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं अधिशाषी अभियंता उपस्थित थे। गौरतलब है कि जेडीए की ओर से म्यूजियम का निर्माण पांच चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में संरचना संबंधी कार्यों को करवाया गया है। दूसरे चरण में भवन के इंटीरियर वर्क्स एचवीएसी, अग्निशमन, फर्निशिंग आदि) का कार्य करवाया जा रहा है। तीसरे चरण में डिजिटल और नई तकनीक से संबंधित कार्यों को ईपीसी के आधार पर कार्य करवाया जा रहा है।

'सोर्स सस्टेनेबिलिटी इन राजस्थान' पर हुई कार्यशाला

जल संरक्षण का चैप्टर पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए भेजेंगे प्रस्ताव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'कन्वर्जेंट प्लानिंग एंड इम्प्लीमेंटेशन फॉर सोर्स सस्टेनिबिलिटी इन राजस्थान' विषय पर बुधवार को होटलमेरियट में स्टेट कंसल्टेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि जलदाय मंत्री महेश जोशी रहे। मंत्री जोशी ने कहा कि जल संरक्षण के प्रति कम उम्र से ही बच्चों में जागरूकता लाने के लिए जल संरक्षण का चैप्टर स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएचईडी एवं भूजल विभाग द्वारा जल संरक्षण एवं जल के बेहतर प्रबंधन से संबंधित पाठ्य सामग्री तैयार कर स्कूल शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि जल की बचत ही जल का उत्पादन है, जल है तो कल है, जल ही जीवन है, यह साधारण स्लोगन नहीं बल्कि सारगर्भित कथन है। इन्हें आमजन तक पहुंचाकर उन्हें भविष्य के लिए पानी बचाने की मुहिम में उनकी भागीदारी बढ़ानी होगी।

रश्मि गुप्ता ने कहा, रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाने की जरूरत

कार्यक्रम में निदेशक, वाटरशेड रश्मि गुप्ता ने कहा कि पेयजल योजनाओं की निरंतरता भूजल पुनर्भरण पर निर्भर है। विभाग द्वारा पिछले सात साल में 15 हजार गांवों में 3 लाख जल संग्रहण से संबंधित कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुओं, हैंडपंप, ट्यूबवैल आदि की लोकेशन देखकर उनके आसपास रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाए जाएं ताकि सोर्स सस्टेनेबिलिटी हो सके। वहीं यूनिसेफ की स्टेट हेड इजाबेल बार्डेल ने कहा कि राज्य में 60 प्रतिशत पेयजल जरूरतें भूजल से पूरी होती हैं, लेकिन यहां भूजल की स्थिति चिंताजनक है। भूजल पुनर्भरण के मुकाबले दोहन 151 प्रतिशत है। उन्होंने बाड़मेर का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां बनाए गए पानी की कम खपत वाले टॉयलेट्स से सालाना 80 हजार लीटर पानी की बचत हो रही है।

रेगिस्तान के लोग जानते हैं पानी की कीमत

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि पानी की कीमत और उसका बेहतर प्रबंधन जैसलमेर और बाड़मेर के रेगिस्तानी इलाके की ढाणियों में रहने वाले ग्रामीणों से अधिक कोई नहीं जान सकता। वहां पर बूंद-बूंद पानी को सहेजकर कम से कम पानी में गुजारा किया जाता है, जबकि शहरों में रहने वाले पढ़े-लिखे लोग पानी का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं। जितना बड़ा शहर होता है, पानी की उतनी ही अधिक खपत होती है। पानी का महत्व शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समझना होगा।

बहन ने दिया भाई को जीवन, MDM में 4 साल बाद किडनी ट्रांसप्लांट

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। जिले के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में गुरुवार को चार साल बाद किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। किडनी खराब होने से जिंदगी की जंग लड़ रहे भाई को बहन ने किडनी देकर उसका जीवन बचा लिया। वहीं जयपुर से गई 18 चिकित्सकों की टीम ने 6 घंटे की इस जटिल सर्जरी को अंजाम देकर मरीज को राहत पहुंचाई। खास बात यह है कि 25 लाख का किडनी ट्रांसप्लांट चिरंजीवी और निशुल्क जांच योजना से बिलकुल फ्री किया गया। जयपुर से पहुंची यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी चिकित्सकों की टीम ने स्पेशल आईसीयू तैयार कर किडनी ट्रांसप्लांट किया। एमडीएम अस्पताल के अधीक्षक विकास राजपुरोहित ने बताया कि 4 साल बाद यहां बाड़मेर जिले के लूनू गांव निवासी रहमतुल्लाह

(39) का किडनी ट्रांसप्लांट किया गया है। रहमतुल्लाह को उसकी बड़ी बहन जमीयत (42) ने किडनी डोनेट की है। मरीज और डोनर दोनों की सर्जरी सफल रही। हालांकि 24 घंटे मरीज को ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद टेस्ट किया जाएगा कि किडनी सही काम कर रही है या नहीं। इस ऑपरेशन से पहले मरीज और डोनर की जांचें की गईं तथा अस्पताल प्रशासन ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी की। जयपुर से अग्रवल मिलने के बाद मरीज का किडनी ट्रांसप्लांट का ऑपरेशन सुबह 10 बजे शुरू हुआ जो शाम 4 बजे तक चला। अस्पताल में सुबह 10 बजे डोनर जमीयत को लाया गया। उसकी बीपी और अन्य बेसिक जांच की गई। इसके बाद उसकी सर्जरी शुरू की गई। डॉक्टरों की टीम ने डोनर की किडनी निकालने के बाद मेन ओटी में मरीज रहमतुल्लाह को लाया गया। डॉक्टरों ने यहां पर उसके शरीर में किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया शुरू की। यह पूरी प्रक्रिया में लगभग 6 घंटे चली। इधर किडनी ट्रांसप्लांट को लेकर मरीज के परिजन भी यही प्रार्थना कर रहे थे कि यह ट्रांसप्लांट सफल रहे। जैसे ही उन्हें ट्रांसप्लांट होने की सूचना मिली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

किडनी देने को बहन आई आगे

मरीज रहमतुल्लाह के लिए उसकी बहन देवदूत बनी। मरीज के भाई मठार खान ने बताया कि रहमतुल्लाह को बड़ी बहन जमीयत ने किडनी दी है। हम बाड़मेर के लूनू गांव से आए हैं। यहां इलाज में हमारा कोई पैसा नहीं लगा। पिछले 6 महीने से डॉक्टर सुरेंद्र सिंह राठौड़ से चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा था कि किडनी डाउन है। पता चला कि जान का खतरा है तो बहन किडनी देने के लिए आगे आई। चिरंजीवी और फ्री जांच योजना में इलाज हुआ है, कोई पैसा नहीं लगा। अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया कि 4 साल बाद किडनी ट्रांसप्लांट यहां होना अपने आप में खास है। अब इसे रेगुलर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि यह महंगा प्रोसिजर है। प्राइवेट अस्पताल में इसके लिए काफी पैसा खर्च होता है। लेकिन यहां सरकार की योजना से पूरा इलाज फ्री हुआ है।

ट्रांसप्लांट सर्जरी के लिए की खास व्यवस्थाएं

किडनी ट्रांसप्लांट के लिए एमडीएम हॉस्पिटल में खास व्यवस्थाएं की गई। मुख्य ऑपरेशन थियेटर में 4 दिन से किडनी ट्रांसप्लांट को लेकर तैयारियां की जा रही थी। ट्रांसप्लांट करने वाली चिकित्सकों की टीम को छोड़कर किसी भी बाहरी व्यक्ति को यहां प्रवेश नहीं दिया गया। रहमतुल्लाह को 24 घंटे के लिए डॉक्टर्स की टीम अपनी निगरानी में रख रही है। इसके बाद टेस्ट किए जाएंगे, जिससे पता चलेगा कि बहन जमीयत की किडनी उसके भाई के शरीर में किस तरह काम कर रही है। स्पेशल ऑपरेशन थियेटर में अगले दो-तीन दिन तक किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है।

100 यूनिट बिजली फ्री का वादा खोखला

प्रदेश सरकार 52 पैसे सरचार्ज लगाकर कर रही वसूली

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आम आदमी पार्टी ने बिजली के बिलों में 52 पैसे सरचार्ज लगाने के सरकार के फैसले का विरोध किया है।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार की ओर से 100 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा खोखला साबित हो रहा है। गहलोत सरकार पहले तो 50 और अब 100 यूनिट बिजली फ्री करके जनता के वोट लूटना चाहती है, पर जनता अब जागरूक हो चुकी है। सरकार जनता को राहत देने के बजाय अतिरिक्त चार्ज लगाकर वसूली कर रही है। पालीवाल ने बताया कि 2018 में गहलोत सरकार बनी तब करीब 12 पैसे सरचार्ज था, इसको 6 बार बढ़ाकर 52 पैसे कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो सरकार शिविर लगाकर लोगों को राहत देने की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ बिजली उपभोग पर सरचार्ज लगाकर अधिक भार डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सरकार का मकसद जनता को राहत देना नहीं, सिर्फ जुमलेबाजी करना है।

प्रदेश के मुखिया एक माह में महंगाई राहत कैंप के जरिए 1 करोड़ से अधिक परिवारों के लाभान्वित होने की बात कह रहे हैं, लेकिन वो ये क्यों नहीं बता रहे कि बिजली की दरों और सरचार्ज से जनता को राहत आखिर कब मिलेगी?

पुलिस ने महिला के प्रेमी को 24 घंटे में किया गिरफ्तार

बेवफाई पर प्रेमिका की हत्या आरोपी बोला- अफसोस नहीं

हिलव्यू समाचार

अजमेर। अलवर गेट थाना क्षेत्र स्थित नाका मदार पुलिस चौकी के पास मंगलवार शाम को विवाहिता की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले का पुलिस ने 24 घंटे में पर्दाफाश करते हुए आरोपी को दबोच लिया है। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि महिला पिछले ढ़ाई साल से उसके साथ रिलेशनशिप में थीं।

उसने अन्य युवक के कारण उससे बेवफाई की, जिसे वह बर्दाश्त नहीं कर सका और उसकी हत्या कर दी। एडिशनल एसपी सुशील बिश्नोई ने बताया कि मंगलवार को पुलिस चौकी के पास एक महिला पर चाकू से हमला कर दिया गया था। इसके बाद उसे जेएलएन अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मामले की जानकारी में सामने आया कि प्रेम-प्रसंग के चलते ही धौलाभाटा निवासी कीर्ति चौहान की हत्या की गई थी। हत्या करने वाला कोई और नहीं उसका प्रेमी विवेक सिंह उर्फ विवान था। इस संबंध में महिला के मित्र प्रो. अनिल शर्मा ने ही पुलिस को रिपोर्ट दी। जिस पर मामला दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मदार के नेहरू नगर की पहाड़ी से आरोपी विवेक सिंह को धर-दबोचा। आरोपी ने कीर्ति चौहान द्वारा उसके साथ बेवफाई करने से खफा होकर यह वारदात करना कबूल किया है। आरोपी से हत्या की वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद करने का पुलिस प्रयास कर रही है।

बर्दाश्त नहीं कर सका खुद से दूरी

हत्या के आरोपी विवेक उर्फ विवान ने मीडिया के सामने कबूल किया कि कोरोना काल के पहले कीर्ति उसके सम्पर्क में सोशल मीडिया के जरिए आई। इसके बाद से वह दोनों रिलेशनशिप में थे। कीर्ति ने उससे आईफोन व महंगे उपहार और रुपए भी लिए। उसने हाथ पर भी कीर्ति के नाम का टेटू गुदा रखा है। कीर्ति ने उससे शादी करने का वादा किया था, लेकिन पिछले एक माह से उसे इग्नोर कर रही थीं। इसका कारण वह खुद को समय नहीं मिलना बताती थीं। इसी बीच विवेक को पता चला कि इंजीनियरिंग कॉलेज का प्रो. अनिल शर्मा उसके सम्पर्क में आ गया है। कीर्ति ने अनिल शर्मा को विवेक की ओर से परेशान करने की बात कही। जिस पर उनकी फोन पर भी कहासुनी हुई। अनिल ने उसे कीर्ति के सामने बात करने के लिए जायका रेस्टोरेंट बुलाया, जहां अनिल ने उसे कीर्ति से दूर रहने को कहा। इससे उसने आपा खोते हुए कीर्ति को मौत के घाट उतार दिया।

कीर्ति को उसके किए की सजा दी

आरोपी ने यह भी कबूल किया कि उसने कीर्ति को काफी समय पहले ही कह दिया था कि वह सिर्फ उसकी है। वह उसे किसी और की नहीं होने देगा। अब कीर्ति जब बेवफाई पर उतर आईं तो उसने यह कदम उठा लिया। आरोपी विवान ने कहा कि इस वारदात का उसे जरा भी अफसोस नहीं है। वह खुशी-खुशी जेल जाएगा, लेकिन उसके दिल में यह सुकून है कि उसने कीर्ति को उसके किए की सजा दे दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कीर्ति मूल रूप से बीकानेर की रहने वाली थीं। उसने वर्ष 2012 में अजमेर निवासी मनोज चौहान उर्फ सूरज से लव मैरिज की थी। इसके बाद दोनों के परिजन ने 2013 में उनकी विधि-विधान से शादी करवा दी।

एक नज़र

जोधपुर के सब इंस्पेक्टर भंवर सिंह ने किया सफल पर्वतारोहण

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। थाना रातानाडा जोधपुर में कार्यरत सब इंस्पेक्टर भंवर सिंह ने नेपाल के हिमालय पर्वत श्रृंखला में स्थित माउंट लोबुचे पीक की 6119 मीटर ऊंचाई पर प्रथम प्रयास में सफलता पूर्वक क्लाइंबिंग कर राष्ट्रीय तिरंगा और राजस्थान पुलिस का ध्वज लहराया है। भंवर सिंह राजस्थान पुलिस के पहले कार्मिक हैं जिन्होंने 6000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर क्लाइंबिंग कर सफल पर्वतारोहण को अंजाम दिया है। डीसीपी पूर्व डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि थाना रातानाडा के उप निरीक्षक भंवर सिंह ने नेपाल के हिमालय पर्वत श्रृंखला में स्थित माउंट लोबुचे पीक 6129 मीटर पर प्रथम प्रयास में सफल क्लाइंबिंग कर चोटी को फतह करने में सफलता प्राप्त की है। माउंट लोबुचे पीक टेक्निकल चैलेंजिंग माउंटेन की श्रेणी में आता है। आइस क्लाइंबिंग व हाई किंग करते हुए एसआई भंवर सिंह ने यहां पहुंचने में सफलता प्राप्त की है। डीसीपी ने बताया कि एसआई भंवर सिंह का लक्ष्य माउंट एवरेस्ट और विश्व के अन्य टॉप माउंटेन पर पर्वतारोहण करना है। इसकी तैयारी वह अपनी ड्यूटी के साथ-साथ कर रहे हैं।

टावर पर चढ़ा नासिर-जुनैद का चचेरा भाई 22 घंटे बाद उतरा

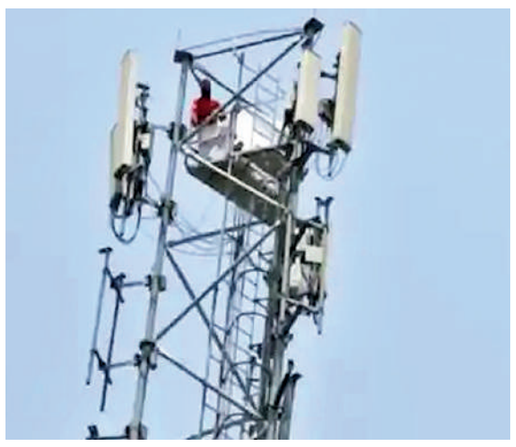

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। बोलेरों में जिंदा जले नासिर और जुनैद की मौत के जिम्मेदार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार को मोबाइल टावर पर चढ़ा उनका चचेरा भाई जाबिर सोमवार की शाम को नीचे उतर गया। बताया जा रहा है कि मंत्री जाहिदा खान की ओर से मिले आश्वासन के बाद वह टावर से उतरा। मामले में कार्रवाई नहीं किए जाने के विरोध में 22 घंटे तक जाबिर टावर पर ही रहा। वहीं पुलिस के आला अधिकारी रविवार से ही उसकी समझाइश में जुटे हुए थे। एडिशनल एसपी हिम्मत सिंह ने बताया कि जाबिर के टावर से उतरने के बाद उसकी न तो गिरफ्तारी की गई है, न ही कोई मामला दर्ज किया गया है। हालांकि भविष्य में ऐसा हुआ तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जाबिर की मांगें जायज थीं, इसलिए फिलहाल उसे छोड़ दिया गया है। इससे पहले सोमवार को टावर पर बैठे जाबिर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर आरोप लगाया था कि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के पीछे मंत्री जाहिदा खान और पुलिस का हाथ है। इसमें वह आत्महत्या करने की चेतावनी दे रहा था। जाबिर ने वीडियो में कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने की जिम्मेदार स्थानीय विधायक और भरतपुर पुलिस प्रशासन है।

पाकिस्तानी विस्थापितों को लेकर विवाद

एक सप्ताह में फिर होगा पाक प्रवासियों का पुनर्वास

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में सरकारी जमीन से हटाए गए सैकड़ों पाकिस्तानी विस्थापितों का जल्द ही पुनर्वास किया जाएगा। इसको लेकर सरकार के प्रशासनिक अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं पाकिस्तान विस्थापितों को जैसलमेर से हटाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने सीएम अशोक गहलोत को पत्र लिखकर मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की है। हटाए गए विस्थापितों को एक सप्ताह की अवधि के अंदर जमीन आवंटित की जाएगी।

विस्थापितों के मकान पर बुलडोजर चलाने की घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे प्रवासियों को अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि उन्हें फिर से बसाया जाएगा। जिसके बाद उन्होंने अपना विरोध समाप्त कर दिया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले मंगलवार को जैसलमेर प्रशासन के अधिकारियों ने पाकिस्तानी प्रवासियों के अतिक्रमण को हटा दिया था। जिसमें अमर सागर इलाके में नगर विकास न्यास (यूआईटी) ने 30 घरों को तोड़ दिया था। जिसके बाद से प्रवासियों ने जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर विरोध किया था और मांग की थी कि उनकी समस्याओं को सुना जाए।

जल्द ही जमीन का आवंटन

जैसलमेर जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जानकारी देते हुए कहा कि पाक प्रवासियों के पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और जल्द ही उन्हें जमीन आवंटित की जाएगी। हमने एक समिति बनाई है, जो जल्द ही एक उपयुक्त स्थान चिंह्नित करेगी, जहां पर पाकिस्तानी प्रवासियों का पुनर्वास किया जा सके।

राठौड़ ने याद दिलाया वादा

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सीएम गहलोत को इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने के लिए पत्र लिखा है। राठौड़ ने पत्र में कांग्रेस को 2018 में जारी किए गए घोषणापत्र में पाक विस्थापितों का सर्वांगीण विकास करने का वादा भी याद दिलाया है। जिसमें लिखा है कि 2018 के चुनावों से पहले कांग्रेस ने घोषणा पत्र में कहा था कि सरकार राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह रहे पाक विस्थापितों के लोगों के उत्थान के लिए काम करती रही है और इन विस्थापितों के सर्वांगीण विकास के लिए अलग से एक निकाय बनाया जाएगा।

धर्मांतरण के कारण पाक छोड़कर आए

राठौड़ ने लिखा है कि राजस्थान में सुरक्षित माहौल में रहने की उम्मीद में आए पाक विस्थापितों के साथ जिस प्रकार का अमानवीय व्यवहार में किया गया है वह मानव अधिकारों का खुला उल्लंघन है। ऐसे में राठौड़ ने मांग करते हुए कहा कि जोधपुर व जैसलमेर की अमानवीय घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए सीएम आवास योजना में पाक विस्थापितों को आवास उपलब्ध करवाएं जाएं।

कलेक्टर ने लिया आनासागर झील का जायजा, ठेका कंपनी को दिया अल्टीमेटम

'पांच दिन में हटाएं जलकुंभी, नहीं तो फर्म होगी ब्लैक लिस्टेड'

हिलव्यू समाचार

अजमेर। अजमेर की नवनियुक्त जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित पदभार संभालने के साथ ही जिले की समस्याओं और जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय दिख रहीं हैं। उन्होंने जहां पहले दिन जिले की सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई और अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए तो वहीं दूसरे दिन बुधवार को वे आनासागर झील का जायजा लेने पहुंचीं। इस दौरान झील में जलकुंभी देखकर जिला कलेक्टर खासी नाराज हुईं। उन्होंने ठेका फर्म के कार्मिकों को फटकार लगाते हुए इसे पांच दिन में हटाने के निर्देश दिए। ऐसा नहीं होने पर उन्होंने फर्म को ब्लैक लिस्टेड करने का अल्टीमेटम भी दिया।

कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने आनासागर झील का बोट की सहायता से बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद ठेकेदार के कार्मिकों को जलकुंभी को लेकर फटकार लगाई। जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित कहा कि पूर्व में नोटिस दिए जाने के बावजूद भी जलकुंभी को अब तक नहीं हटाया गया है, यदि पांच दिन में जलकुंभी नहीं हटाई गई तो फर्म को ब्लैक लिस्टेड कर दिया जाएगा।

ठेका फर्म कार्मिकों ने पानी की आवक होने का दिया तर्क

कलेक्टर डॉ. दीक्षित ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आनासागर में जलकुंभी देखकर जब ठेकेदार के कार्मिकों से इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने झील में पानी की आवक की बात कही। इस पर उन्होंने कहा कि पानी की आवक तो हमेशा होगी। बारिश के दौरान यह आवक और बढ़ेगी, ऐसे में जलकुंभी पूरी झील में पैर पसार लेगी, इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने 5 दिन में जलकुंभी हटाने के लिए निर्देशित किया है। यदि इसके बाद भी जलकुंभी साफ नहीं हुई तो फर्म को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा। डॉ. भारती दीक्षित ने कहा कि एलीवेटेड रोड व जिले की अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया जाएगा। जहां भी अव्यवस्थाएं है, उन्हें तुरंत दूर करवाया जाएगा। आमजन को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मृणाल की कान्स फेस्टिवल में धमाकेदार एंट्री ...

मुंबई। 'कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023' में हर साल की तरह इस बार भी बॉलीवुड सेलेब्स का जलवा देखने को मिल रहा है। उर्वशी रौतेला और सारा अली खान के बाद अब मृणाल ठाकुर भी अपनी अदाओं से फैंस का दिल जीत रही हैं। हाल ही में मृणाल की कुछ तस्वीरें सामने आईं, जिन्हें देखने के बाद उनके फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में मृणाल ब्लैक आउटफिट पहने नजर आ रही हैं। मृणाल का अंदाज काफी बोल्ड और ग्लैमरस है। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए मृणाल ने लिखा, 'मैं इतनी दूर केवल इतनी दूर आने के लिए नहीं आई हूं।

हॉलीवुड मसाला

बॉयकॉट होने से भी नहीं पड़ता फ़र्क़

लॉस एंजिलिस। 16 मई से शुरू हुए कान फिल्म फेस्टिवल 2023 में जॉनी डेप स्टारर जीन बैरी का प्रीमियर हुआ। फिल्म को स्टैंडिंग ओवेशन मिला। फिल्म के खत्म होने पर वहां जॉनी डेप के लिए हजारों की संख्या में लोग खड़े हो गए और सात मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन दिया। लोगों की प्रतिक्रिया देख जॉनी डेप भावुक हो गए थे। इस बीच उन्होंने हॉलीवुड द्वारा बहिष्कृत किए जाने के सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, जब डेप पूर्व पत्नी एम्बर हर्ड के साथ कानूनी लड़ाई में उलझे हुए थे तब उन्होंने पहले कहा था कि उन्हें हॉलीवुड द्वारा बहिष्कृत किया जाना महसूस हुआ।

लाइफ Style

कैटरीना

स्टाइल देख लोगों ने किया ट्रोल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड डीवा कैटरीना कैफ की बहुत अच्छी फैन फॉलोइंग है। उनको चाहने वाले उनकी हर अदा को पसंद करते हैं, लेकिन इस बार एक्ट्रेस की एक चूक के चलते उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

लोगों को कैटरीना का स्टाइल इस बार समझ में नहीं आ रहा है। बीती शाम कैटरीना कैफ को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। कैटरीना कैफ का पूरा लुक काफी स्टाइलिश था, लेकिन उनकी एक छोटी सी चूक ने उन्हें ट्रोलिंग का शिकार बना दिया। दरअसल कैटरीना ने जैकेट को पूरी तरह से नहीं पहना था। उनकी जैकेट कंधे से नीचे फिसलती नजर आ रही थी। वहीं कैटरीना के दोनों हाथ उनकी जेब में थे। कैटरीना के लिहाज से तो जैकेट कैरी करने का ये स्टाइल काफी कूल रहा होगा, लेकिन लोगों को खासा पसंद नहीं आया और उन्हें जमकर ट्रोल कर दिया। एक इंस्टाग्राम यूजर ने कमेंट्स में लिखा, 'जैकेट नहीं पहननी तो उतार दो न बहन।' वहीं एक और यूजर ने कहा, 'इस तरह से जैकेट पहनने का क्या ही मतलब है।' वहीं एक यूजर ने तो हद ही कर दी और कहा कि इनको कोई मेट गाला और कानस फिल्म फेस्टिवल में नहीं बुलाता। बता दें, कैटरीना कैफ बहुत जल्द 'टाइगर 3' में दिखेंगी। इस फिल्म में उनके साथ सलमान खान लीड रोल निभाते नजर आएंगे। शादी के बाद से ही कैटरीना कैफ अक्सर अपने पति विकी कौशल संग तालमेल को लेकर खबरों में बनीं रहती हैं।

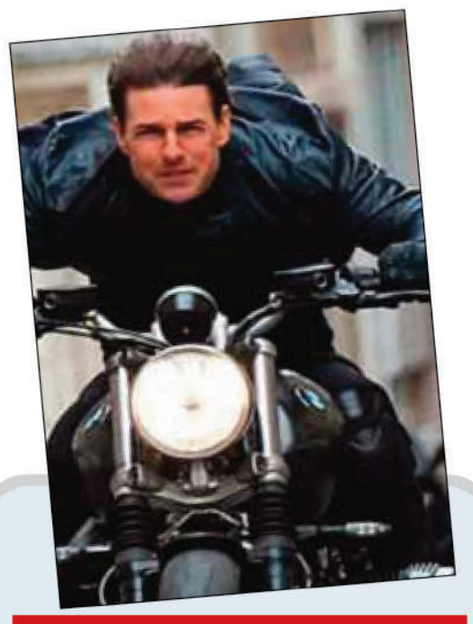

'मिशन ...' पर लगा 'पठान' को कॉपी करने का आरोप

मुंबई। हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज की धमाकेदार फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल 7' का ट्रेलर आ गया है। टॉम क्रूज अपने हैरतअंगेज स्टंट से सबको हैरान कर कर रहे हैं। ट्रेलर में भर भरके एक्शन सीन दिखाए गए हैं। टॉम क्रूज के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच पठान के फैंस ने टॉम क्रूज की इस फिल्म पर कॉपी करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मिशन इम्पॉसिबल 7 में पठान के सीन को कॉपी किया गया है। 'पठान' फिल्म में एक सीन था जिसमें शाहरुख खान और सलमान खान का ट्रेन सीक्वेंस था। यह सीन लोगों को काफी पसंद आया था। कई लोगों ने उनके ट्रेन सीक्वेंस को जैकी चैन के कार्टून की कॉपी बताकर ट्रोल भी किया था। अब उनका कहना है की हॉलीवुड ने हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन की नकल की है और 'मिशन इम्पॉसिबल 7' का स्टंट सीन इसी की कॉपी है।

रश्मिका पर टिप्पणी के बाद पेश की सफाई

मुंबई। साउथ अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश इन दिनों अपनी तमिल फिल्म 'फरहाना' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके अलावा उनके चर्चा में रहने की एक और वजह भी है। वह है बीते दिनों अभिनेत्री रश्मिका मंदाना पर की गई उनकी एक टिप्पणी। दरअसल, ऐश्वर्या राजेश ने अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' के बारे में चौंकाने वाली बात कही थी। ऐश्वर्या ने कहा था कि फिल्म में वह 'श्रीवल्ली' का किरदार रश्मिका मंदाना से बेहतर निभा सकती थीं। उनका कहना है कि उनकी कही बात को गलत तरीके से लिया गया है। एक नोट में ऐश्वर्या राजेश ने लिखा है कि उनके बयान को गलत समझा गया और वह तो खुद रश्मिका के काम की बेहद तारीफ करती हैं। 'ऐश्वर्या की ऐश्वर्या ने अपने बयान की शुरुआत में दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है।

सनी की 'गदर-2' जून में मचाएगी धमाल

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'गदर-2' जल्द ही रिलीज होने वाली है। पठान के बाद अगर फैंस किसी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं तो वह 'गदर-2' ही है। इस फिल्म का पहला पार्ट साल 2001 में आया था। वहीं इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। इस फिल्म के मेकर्स ने फिल्म को हिट करवाने के लिए बड़ा प्लान बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स फिल्म 'गदर 2' को रिलीज करने से पहले पहले पार्ट यानी फिल्म गदर को रिलीज करने वाले हैं। जानकारी के अनुसार 'गदर' 9 जून, 2023 को रिलीज होगी। सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले फिल्म के साउंड को ज्यादा ही बेहतर किया है। कुछ दिनों पहले सनी देओल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से 'गदर 2' से अपने किरदार तारा सिंह का एक लुक शेयर किया था।

टीवी मसाला

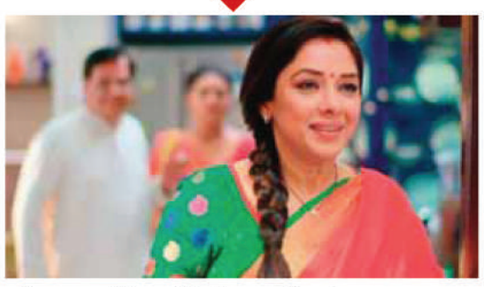

टीआरपी की रेस में 'अनुपमा' एक बार फिर नंबर-1

मुंबई। हर हफ्ते नई-नई फिल्मों की रिलीज के बीच ब्रॉडकास्ट ऑडिएंस रिसर्च काउंसिल ने हर बार की तरह 19वें हफ्ते की रेटिंग जारी कर दी है। इस बार बार्क इंडिया रेटिंग लिस्ट में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पिछले कई हफ्तों की तरह इस बार भी टीआरपी में स्टार प्लास का शो 'अनुपमा' बाजी मारते हुए पहले स्थान पर रहा है। वहीं, इमली का पत्ता टॉप 5 की लिस्ट से साफ हो गया है। रंजन शाही का शो 'अनुपमा' दर्शकों को बीच काफी पॉपुलर हो गया है। हर बार की तरह इस हफ्ते भी बाकी के टीवी सीरियल यह भारी पड़ा है। हर बार की तरह इस बार भी टीआरपी लिस्ट में 'अनुपमा' पहले स्थान पर है। शो में दर्शकों को रुपाली गांगुली की अदाकारी काफी पसंद आ रही है। ट्विस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। पिछले साल से शो लगातार टॉप पर बना हुआ है। शो के इंप्रेशंस भी वहीं बने हुए हैं, जहां पिछले हफ्ते थे। हालांकि, शो को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का भी सामना भी करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी इस शो के लिए फैंस का प्यार कम नहीं हो रहा है। इस हफ्ते शो को 2.8 मिलियन व्यूअरशिप इंप्रेशंस मिले हैं।

अब तारक मेहता... की 'बावरी' ने असित पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई। तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्माता असित मोदी इन दिनों विवादों में घिर हुए हैं। हाल ही में शो में रोशन सोढ़ी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री जेनिफर मिस्त्री ने उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

अब शो की एक और एक्ट्रेस मोनिका भदौरिया ने सेट पर अपने साथ टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। मोनिका पहले शो में 'बावरी' का किरदार निभाती थीं। शो में बावरी की भूमिका निभाने वाली मोनिका भदौरिया ने आरोप लगाया कि 2019 में शो छोड़ने के बाद निर्माता ने उन्हें तीन महीने का बकाया नहीं दिया। अभिनेत्री ने कहा कि मैंने एक साल से अधिक अपने पैसे के लिए लड़ाई लड़ी है। उन्होंने हर कलाकार का पैसा रोक रखा है, चाहे वह राज अनादकट हो, गुरुचरण सिंह भाई। उन्होंने ऐसा सिर्फ टॉर्चर करने के लिए किया है। उनके पास पैसे की कमी नहीं है।

200 करोड़ क्लब के करीब 'द केरल स्टोरी'

मुंबई। द केरला स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर दमदार कमाई कर रही है। विवादों और आलोचनाओं के बावजूद, फिल्म दूसरे सप्ताह में मजबूती से खड़ी है। यह फिल्म शाहरुख खान की पठान के बाद 2023 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर 12 दिन पूरे करने के बाद 200 करोड़ रुपए के क्लब में शामिल होने वाली है। कुल 156.69 करोड़ का बिजनेस हुआ है। अदा शर्मा की बेहद चर्चित फिल्म ने रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर तू झूठी मैं मक्कार को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 'द केरला स्टोरी' ने दूसरे बुधवार यानी 13वें दिन 9.25 करोड़ रुपयों का बिजनेस किया है। जिसके बाद फिल्म की कुल कमाई अब 165.94 करोड़ रुपए हो गई है। फिल्म जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही है, जल्द ही 200 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब है। 'द केरल स्टोरी' की कहानी केरल में धर्म परिवर्तन कर आतंकी संगठन से जुड़ने के ऊपर आधारित है। फिल्म में दावा किया गया है कि केरल की 32,000 लड़कियां लापता हो गईं और बाद में आतंकवादी समूह, आईएसआईएस में शामिल हो गई थीं।

कार्तिक-कियारा की जोड़ी फिर मचाएगी धमाल...

मुंबई। शादी के बाद कियारा आडवाणी अब वापस से स्पीड पकड़ ली हैं। वो जल्द ही रिलीज होने वाली फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में अपने भूलभुलैया को-स्टार कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। 'सत्यप्रेम की कथा' एक म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म है। इस फिल्म का दोनों के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच फैंस के लिए एक ताजा अपडेट है। इस फिल्म का शानदार टीजर रिलीज कर दिया गया है। 'सत्यप्रेम की कथा' के टीजर को कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। टीजर में दोनों की केमिस्ट्री कमाल लग रही है। टीजर देखने के बाद लग रहा है कि इस बार कुछ नया देखने को मिलेगा। 'सत्यप्रेम की कथा' के टीजर की शुरुआत कार्तिक आर्यन के डायलॉग से होती है।

चाय में चुटकीभर नमक मिलाने से इम्यूनिटी होगी बूस्ट....

चाय में नमक डालकर पीना, सुनकर ही कुछ चाय प्रेमियों को गुस्सा दिला सकता है। लेकिन, गुस्सा न हों और धैर्य रखते हुए अपनी सेहत के बारे में सोचें। जी हां, आपको जानकर हैरानी हो सकती है कि कुछ खास प्रकार की चाय में जब आप काला नमक मिलाकर पीते है तो ये पेट का मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है और इम्यूनिटी बढ़ाकर कई समस्याओं से बचाता है।

आइए जानते हैं किस चाय में आपको इस नमक की मिलावट करनी है।

ग्रीन टी में मिलाएं काला नमक

ग्रीन टी में काला नमक मिलाकर पीने से आप इसके एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ डाइजेस्टिव गुणों को भी बढ़ावा दे सकते हैं। जी हां, अगर आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ग्रीन टी में काला नमक मिलाकर पीना आपके पेट की कई समस्याओं जैसे कि अपच, एसिडिटी और बदहजमी को कम कर सकता है।

नींबू की चाय में मिलाएं काला नमक

नींबू की चाय में काला नमक मिलाकर पीना कब्ज की समस्या को दूर कर सकता है। ये चाय पेट का मेटाबोलिक रेट बढ़ाती है और फिर आंतों के काम काज की गति में तेजी लाती है। इससे आप जो भी खाते हैं वो तेजी से पचने लगता है और बॉवेल मूवमेंट तेज हो जाता है। इससे पेट साफ हो जाता है और शरीर खुद को डिटॉक्स कर लेता है।

ब्लैक टी में मिलाएं काला नमक

ब्लैक टी में काला नमक की मिलावट सेहत के लिए कारगर तरीके से काम कर सकती है। पहले तो ये वेट लॉस में तेजी ला सकती है। दूसरा, काला नमक की खास बात ये है कि ये पेट में डाइजेस्टिव एंजाइम्स को बढ़ावा देता है जिससे खाना तेजी से पचता है, चर्बी कम होती है और मोटापा कम करने में मदद मिलती है।

'एनिमल' में हुई दिग्गज विलेन शक्ति की एंट्री...

मुंबई। रणबीर कपूर की नए साल में फिल्म एनिमल का भी पोस्टर रिलीज किया गया। इस पोस्टर में रणबीर एकदम अलग अंदाज में नजर आ रहे थे। इस फिल्म को लेकर अब एक नया अपडेट सामने आ रहा है। खबर है कि एनिमल में एक नए दिग्गज सितारे की एंट्री हो गई है। एनिमल की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, बाबी देओल, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी भी नजर आएंगी। अब खबर है कि इस फिल्म में एक और स्टार का नाम जुड़ गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में शक्ति कपूर अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। एनिमल में वह गैंगस्टर का रोल निभाते दिखेंगे। कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग को पूरा कर लिया है।

कोहली के शतक से आरसीबी की विराट जीत

आईपीएल सीजन-16: सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से रौंदकर प्लेऑफ की ओर बढ़ाया एक और कदम

हैदराबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विराट कोहली (63 गेंदें, 100 रन) के शानदार शतक और फाफ डु प्लेसिस (71) के अर्द्धशतक की बदौलत गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद पर आठ विकेट की दमदार जीत के साथ आईपीएल प्लेऑफ की ओर एक और कदम बढ़ा लिया। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सनराइजर्स ने हेनरिक क्लासेन (51 गेंद, 104 रन) के शानदार शतक की मदद से आरसीबी के सामने 187 रन का लक्ष्य रखा। आरसीबी ने यह लक्ष्य चार गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया। सनराइजर्स की बल्लेबाजी की रीढ़ साबित हुए क्लासेन ने हैदराबाद पर अपनी छाप छोड़ते हुए 51 गेंद पर आठ चौकों और छह छक्कों की सहायता से 104 रन बनाए, हालांकि कोहली के सैकड़े के आगे उनका प्रयास बेकार चला गया।

स्कोर बोर्ड

सनराइज़र्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
अभिषेक शर्मा कै.लोमरोर बो.ब्रेसवेल	11	14	2/0
राहुल त्रिपाठी कै.हर्षल बो.ब्रेसवेल	15	12	2/1
एडन मारक्रम बो. शाहबाज़	18	20	0/0
हेनरिक क्लासेन बो. हर्षल	104	51	8/6
हैरी ब्रूक नाबाद	27	19	2/1
ग्लेन फ़िलिप्स कै.पर्नल बो.सिराज	5	4	1/0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 20 ओवर में 186/5, **विकेट पतन:** 1-27, 2-28, 3-104, 4-178, 5-186, **गेंदबाज़ी:** मोहम्मद सिराज 4-0-17-1, वेन पर्नल 4-0-35-0, माइकल ब्रेसवेल 2-0-13-2, शाहबाज़ अहमद 3-0-38-1, हर्षल पटेल 4-0-37-1, कर्ण शर्मा 3-0-45-0.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली कै.फ़िलिप्स बो.भुवनेश्वर	100	63	12/4
फ़ाफ़ डुप्लेसी कै. त्रिपाठी बो.नटराजन	71	47	7/2
ग्लेन मैक्सवेल नाबाद	5	3	1/0
माइकल ब्रेसवेल नाबाद	4	4	0/0

अतिरिक्त: 7, **कुल:** 19.2 ओवर में 187/2, **विकेट पतन:** 1-172, 2-177, **गेंदबाज़ी:** भुवनेश्वर 4-0-48-1, अभिषेक शर्मा 3-0-28-0, थंगारसु नटराजन4-0-34-1, कार्तिक त्यागी 1.2-0-21-0, नितीश रेड्डी 2-0-19-0, मयंक डागर 4-0-25-0, ग्लेन फ़िलिप्स 1-0-10-0.

छठा शतक जड़ कोहली ने की गेल की बराबरी

कोहली ने आईपीएल में अपना छठा शतक बनाते हुए 63 गेंद पर 12 चौके और चार छक्के लगाकर 100 रन बनाए। उन्होंने आईपीएल में सर्वाधिक शतक जड़ने के मामले में क्रिस गेल की बराबरी भी कर ली। कोहली और डु प्लेसिस 172 रन की साझेदारी के बाद लक्ष्य से कुछ दूर पहले आउट हो गए, जिसके बाद माइकल ब्रेसवेल ने विजयी रन जड़कर आरसीबी को बहुमूल्य दो अंक दिलाए।

हैदराबाद के खिलाफ जोरदार शतक जड़ने के बाद अपने साथी खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस के साथ खुशी साझा करते विराट कोहली।

बेकार गया क्लासेन का जुझारू शतक

जीत के साथ चौथे नंबर पर पहुंची आरसीबी

आरसीबी इस जीत के बाद 14 अंक अर्जित करके अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गई है, जबकि सनराइजर्स 13 मैचों में सिर्फ आठ अंक के साथ तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है।

इससे पूर्व, सनराइजर्स ने अन्य बल्लेबाजों की असफलता के बावजूद क्लासेन के शतक की मदद से 20 ओवर में 186/5 का स्कोर खड़ा किया। क्लासेन जब बल्लेबाजी करने उतरे तब सनराइजर्स की स्थिति अच्छी नहीं थी। मेज़बान टीम ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए सधी हुई शुरुआत की, लेकिन पांचवें ओवर में माइकल ब्रेसवेल की बदौलत दो विकेट गंवा दिए। इस बीच, क्लासेन ने अपनी आतिशी पारी में 50 रन का आंकड़ा 24 गेंद पर छुआ। मार्करम के आउट होने के बाद क्लासेन को हैरी ब्रूक का साथ मिल गया और दोनों ने 36 गेंद पर 74 रन की साझेदारी कर डाली। क्लासेन 49 गेंद पर शतक पूरा करने के बाद हर्षल पटेल की छका देने वाली धीमी गेंद पर बोल्ड हो गए, जबकि ब्रूक 19 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के के साथ 27 रन बनाकर नाबाद रहे।

एलएसजी ने सूर्यांश शेडगे को 20 लाख में खरीदा

लखनऊ। कंधे की चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुए जयदेव उनादकट के स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया है। एलएसजी ने मीडिया एडवाइजरी जारी कर यह जानकारी साझा की। गुरुवार को आईपीएल 2023 के शेष मैचों के लिए चोटिल जयदेव उनादकट की जगह सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उनादकट को ट्रेनिंग के दौरान कंधे में चोट लग गई थी। अंडर-19 में बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके हरफनमौला सूर्यांश 20 लाख रुपए में एलएसजी से जोड़ा गया है। गौरतलब है कि एलएसजी प्लेआफ में जगह पक्की करने के लिए 20 मई को अपना अगला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स से खेलेगी। इस मैच में एलएसजी की टीम दिग्गज फुटबॉल क्लब मोहन बागान की लाल और हरे रंग की जर्सी जैसे रंग की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी।

ऑरेंज कैप

1 फाफ डु प्लेसिस 702

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
13	84	58.50	55	36	8	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	शुभमन गिल	13	576	101	48.00	62	14	4	1
3	वाय जायसवाल	13	575	124	47.92	74	26	4	1
4	विराट कोहली	13	538	100	44.83	52	15	6	1
5	डेवोन कॉन्वे	13	498	92*	49.80	58	13	5	0

पर्पल कैप

1 मोहम्मद शमी 23

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
13	23	7.54	11/4	2/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	राशिद खान	13	23	30/4	7.96	1/0
3	चहल	13	21	17/4	8.02	3/0
4	पीयूष चावला	13	20	22/3	7.66	0/0
5	वरुण चक्रवर्ती	13	19	15/4	8.03	1/0

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात टाइटंस	13	09	04	18	0.835
चेन्नई सुपर किंग्स	13	07	05	15	0.381
लखनऊ सुपर जांयट्स	13	07	05	15	0.304
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	13	07	06	14	0.180
मुंबई इंडियंस	13	07	06	14	-0.128
राजस्थान रॉयल्स	13	06	07	12	0.140
कोलकाता नाइट राइडर्स	13	06	07	12	-0.256
पंजाब किंग्स	13	06	07	12	-0.308
दिल्ली कैपिटल्स	13	05	08	10	-0.572
सनराइजर्स हैदराबाद	13	04	09	08	-0.558

एक्सप्रेस न्यूज

निखत को प्रशिक्षण के लिए दो करोड़ देगी तेलंगाना सरकार

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पेरिस ओलंपिक में विश्व चैंपियन निखत जरीन की सफलता की कामना करते हुए गुरुवार को उन्हें प्रशिक्षण के लिए दो करोड़ रुपए देने की घोषणा की। राव ने सचिवालय में निखत के साथ शिष्टाचार मुलाकात की थी। राव ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए निखत के प्रशिक्षण, कोचिंग, परिवहन आदि का खर्च वहन करेगी। राव ने निखत को दो करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की और इस संबंध में मुख्य सचिव शांति कुमारी को कार्रवाई करने का आदेश दिया।

सेमीफाइनल में पहुंचे प्रथमेश और कौर

शांघाई। युवा भारतीय तीरंदाज प्रथमेश जावकार और अवनीत कौर ने गुरुवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में कोरियाई प्रतिद्वंदियों को हराकर कंपाउंड सेमीफाइनल में जगह बना ली। जावकर ने एकल कंपाउंड क्वार्टरफाइनल में कोरिया के आठवीं सीड चोई योंगी को 149-148 से हराया और सेमीफाइनल में उनका सामना एस्टोनिया के रोबिन जातमा से होगा। दूसरी ओर, 18 वर्षीय अवनीत ने प्री-क्वार्टरफाइनल में कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त ओप यूहयुन को रोमांचक मुकाबले में 142-142 (10*-10) से मात दी।

श्रीलंकाई क्रिकेटर गुणतिलका पर यौन शोषण के चार में से तीन मामले हटे

सिडनी। टी20 विश्व कप 2022 के दौरान एक महिला का कथित यौन शोषण करने के लिए श्रीलंकाई क्रिकेटर दनुष्का गुणतिलका के खिलाफ दर्ज किए गए यौन उत्पीड़न के चार में से तीन मामले गुरुवार को हटा दिए गए। गुणतिलका पर बिना सहमति के यौन संबंध बनाने के आरोप में चार मामले दर्ज किए गए थे, जिसके कारण उन्हें सिडनी पुलिस ने पिछले साल नवंबर में टी20 विश्व कप के दौरान टीम होटल से गिरफ्तार किया था। सरकारी वकील ने हालांकि सिडनी की एक अदालत में उन पर लगे चार में से तीन मामले वापस ले लिए। पुलिस के मुताबिक, श्रीलंकाई बल्लेबाज और पीड़ित महिला की मुलाकात एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों सिडनी के रोज बे में महिला के घर आए, जहां गुणतिलका ने कथित तौर पर महिला का गला दबाया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

चोटिल स्वियातेक इटालियन ओपन से बाहर

रोम। दो बार की इटालियन ओपन चैंपियन इगा स्वियातेक क्वार्टरफाइनल के दौरान लगी दाहिनी जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। पोलैंड की स्वियातेक बुधवार रात शुरू हुए और गुरुवार सुबह खत्म हुए क्वार्टरफाइनल में गत विंबलडन चैंपियन कजाकस्तान की एलिना रिबाकिना का सामना कर रही थीं। दो घंटे के खेल के बाद तीसरे सेट में स्कोर 2-2 से बराबर था, जब स्वियातेक को मैच से हटना पड़ा। उन्होंने पहला सेट 6-2 से, जबकि रिबाकिना ने दूसरा सेट 7-6 से जीता था। इससे पहले दूसरे सेट में, स्वियातेक अपना घुटना पकड़कर खेल रही थीं।

राजधानी (न्यू वॉम्बे)	
दिन	रात
233 = 8	369 = 8
578= 0	330 = 6
शुभांक	
दिन	रात
239 = 4	134 = 8
129 = 2	660 = 2
भाग्यांक	
2 3 5 8	

www.kalyangame.com

एलएनसीटी इंजीनियर ओलंपिक्स के विजेता खिलाड़ियों को मिले पुरस्कार

भोपाल। लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी रायसेन रोड भोपाल स्थित रामानुजन ऑडिटोरियम में छठे इंजीनियर ओलंपिक खेलों का पुरस्कार वितरण किया गया। हाल ही में दूधिया रोशनी में आयोजित तीन दिवसीय इंजीनियर्स ओलंपिक में विभिन्न खेल कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, शतरंज, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, कैरम, रस्साकशी एवं गली क्रिकेट आदि खेलों का आयोजन किया गया था। इनके विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयदेव शर्मा विश्वामित्र अवॉर्डी, जलज चतुर्वेदी खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायसेन, डॉ. अशोक राय डीन एडमिनिस्ट्रेशन एलएनसीटी, पंकज जैन स्पोर्ट्स डायरेक्टर एलएनसीटी, प्रियांशु पांडे विक्रम अवॉर्डी शूटिंग, सृष्टि मिश्रा अंतरराष्ट्रीय शूटर द्वारा ट्रॉफी, मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

इन खिलाड़ियों को मिले पुरस्कार : एथलेटिक्स पुरुष वर्ग में 100 मीटर दौड़ में अल्बर्ट एन रेजे प्रथम एवं आर्यन नायक द्वितीय स्थान, 200 मीटर दौड़ में अल्बर्ट एन रेजे प्रथम एवं आर्यन नायक द्वितीय स्थान, 400 मीटर दौड़ में आर्यन प्रथम एवं रितिक द्वितीय, शॉट पुट में शिवम मिश्रा प्रथम एवं संस्कार सेंगर द्वितीय, डिस्कस थ्रो में शिवम मिश्रा प्रथम एवं तनय शिवहरे ने दूसरा स्थान, जैवलिन थ्रो में सूजय प्रथम एवं अरविंद दूसरा स्थान, महिला वर्ग में 100 मीटर दौड़ में हिमांशी प्रथम एवं वंशिका दूसरे स्थान, 200 मीटर दौड़ में वंशिका प्रथम एवं अपूर्वा दूसरा स्थान, शॉट पुट में सोनिका जयसवाल प्रथम एवं कृतिका प्रजापति दूसरा स्थान, डिस्कस थ्रो में सोनिका जयसवाल प्रथम, सौम्या सोनी दूसरे स्थान, जैवलिन में सोनिका जयसवाल प्रथम, सौम्या सोनी दूसरा स्थान, टेबल टेनिस महिला सिंगल्स में बीपीईएस की अर्चिता दुबे प्रथम एवं आरुषि पांडे दूसरे स्थान, टेबल टेनिस पुरुष वर्ग के सिंगल में ओआईएसटी के मिहिर प्रथम एवं एलएनसीटी के यश दूसरे स्थान, शतरंज महिला वर्ग के मुकाबले में प्राची शर्मा प्रथम एवं खुशी गुप्ता द्वितीय स्थान, कैरम महिला वर्ग में पलक प्रथम एवं आरची द्वितीय स्थान खिलाड़ियों को मेडल ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

धमाकेदार जीत के साथ फेथ क्रिकेट क्लब फाइनल में

मास्टर्स कप वेटरन व इंटर क्लब क्रिकेट प्रतियोगिता

भोपाल। फेथ क्रिकेट क्लब ने अपने धमाकेदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राजधानी के ओल्ड कैम्पियन खेल मैदान में आयोजित छठे मास्टर्स कप वेटरन एवं इंटर क्लब क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इंटर क्लब ग्रुप के पहले सेमीफाइनल मैच में एमसीसीए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर 9 विकेट खोकर 154 रन बनाए, जिसमें विकास शर्मा ने 53, ओजस्व यादव ने 20, देवांश यदुवंशी ने 18 और आदित्य गौर ने 14 रन बनाए। फेथ की तरफ से राहुल बाथम, अलंकृत, पृथ्वी राज और अर्जुन रिछारिया ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में फेथ क्रिकेट क्लब ने 19.2 ओवर में अनिकेत वर्मा के 62, अर्पित साहू के 29 और साहिल के 21 रनों की बदौलत 5 विकेट खोकर 158 रन बनाकर विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। अनिकेत वर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं दिन के एक अन्य मैच में फगीटो मास्टर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 पर 131 रन बनाए, जिसमे कप्तान शरद जायसवाल ने 59 और सुनील अहिरवार ने 44 रनों का योगदान दिया। डायनामिक की तरफ से राजेश कनोजिया ने 3, शेख सादिक और दिनेश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में डायनामिक वेटरन्स की टीम ने 15.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 132 रन बना लिए और यह मैच 7 विकेट से जीत लिया। इसमें अक्षय श्रीवास्तव ने नाबाद 53 रन बनाए। राजेश कनोजिया और अक्षय श्रीवास्तव को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें बीडीसीए उपाध्यक्ष सुशील सिंह ठाकुर और डिजियाना ग्रुप के चैयरमेन सुखदेव सिंह घुम्मन ने पुरस्कृत किया।

महिला हॉकी पांच मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान टीम ने 4-2 से दी शिकस्त

भारत ने हार से की ऑस्ट्रेलियाई दौरे की शुरुआत

एडिलेड। भारतीय महिला हॉकी टीम को गुरुवार को यहां पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए संगीता कुमारी (29वां मिनट) और शर्मिला देवी (40वां मिनट) ने एक-एक गोल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने आइर्स्लिग उतरी (21वां मिनट), मैडी फिट्जपैट्रिक (27वां मिनट), एलिस अर्नोट (32वां मिनट) और कर्टनी शोनेल (35वां मिनट) के गोलों से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलियाई महिलाएं मुकाबला शुरू होते ही लय में आ गईं और पहले क्वार्टर में भारत पर हावी रहीं। मेज़बान टीम ने शुरुआती 15 मिनटों में कई बार मेहमानों के डिफेंस का परीक्षण किया। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के शुरुआती क्वार्टर में तीन पेनल्टी कॉर्नर भी जीते, लेकिन भारतीय टीम की कप्तान और गोलकीपर सविता के साथ-साथ डिफेंस लाइन के अचूक प्रयासों के कारण इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे। दूसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया का आक्रामक खेल रंग लाया और आइर्स्लिग-मैडी ने एक-एक गोल दाग दिया। आइर्स्लिग ने अबीगैल विल्सन के क्रॉस की सहायता से मैदानी गोल किया, जबकि कुछ देर बाद, मैडी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मेजबानों की बढ़त दोगुनी कर दी। दो गोलों से पिछड़ने के बाद भारत ने आक्रामक खेल शुरू किया और 29वें मिनट में ही संगीता ने निक्की प्रधान की मदद से मेहमान टीम का खाता खोल दिया। तीसरे क्वार्टर के शुरुआती पांच मिनटों में ही एलिस और कोर्टनी ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 4-1 कर दी। मैच के 40वें मिनट में शर्मीला ने भारत के लिए एक गोल किया, हालांकि यह टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमें गोल करने के करीब आईं, लेकिन किसी के भी स्कोर न कर पाने के कारण जीत ऑस्ट्रेलिया की झोली में गई। भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई महिलाएं दूसरे मुकाबले में शनिवार को आमने सामने होंगी।

एडिलेड में गुरुवार को पांच मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में गेंद पर कब्जे के लिए संघर्ष करतीं भारत और ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की खिलाड़ी।

सचिन तेंदुलकर की शिकायत पर साइबर सेल ने दर्ज किया केस, उनके नाम पर फर्जी विज्ञापन का मामला

मुंबई। क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की शिकायत पर मुंबई क्राइम ब्रांच के साइबर सेल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ IPC की धारा 426, 465 और 500 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को एक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनकी तस्वीरों का उपयोग करके इंटरनेट पर कई फर्जी विज्ञापन प्रसारित किए जा रहे हैं और लोगों को उनके द्वारा प्रचार किए जा रहे उत्पादों के बारे में गुमराह किया जा रहा है। तेंदुलकर के निजी सहायक ने अतिरिक्त अपराध आयुक्त शशि कुमार मीणा के समक्ष मामला दर्ज कराया। प्राथमिकी के अनुसार तेंदुलकर के निजी सचिव को 5 मई को फेसबुक पर एक विज्ञापन मिला। इसमें तेंदुलकर की तस्वीर का इस्तेमाल किया जा रहा था और लिखा था कि उत्पाद की सिफारिश सचिन तेंदुलकर ने की थी। इसी तरह के विज्ञापन इंस्टाग्राम पर भी पाए गए। शिकायतकर्ता ने यह भी पाया कि एक वेबसाइट तेंदुलकर के नाम का उपयोग करके फैट मेल्टिंग स्प्रे बेच रही थी और दावा कर रही थी कि उत्पाद की सिफारिश उन्होंने की थी। उत्पाद ने यह भी दावा किया कि खरीदार को तेंदुलकर द्वारा हस्ताक्षरित एक टी-शर्ट मुफ्त में मिलेगी। प्राथमिकी में कहा गया है कि तेंदुलकर ऐसे किसी भी उत्पाद का इंडोर्स नहीं कर रहे हैं और लोगों को धोखा देने के लिए उनकी तस्वीरों और आवाज का दुरुपयोग किया जा रहा है। पश्चिम क्षेत्र की साइबर सेल मामले की जांच कर रही है। भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें धोखाधड़ी और जालसाजी और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराएं शामिल हैं।

बिहार भाजपा प्रवक्ता निखिल का बड़ा दावा

पटना के होटल में 'बाबा' से छिपकर मिले आरजेडी विधायक और मंत्री

एजेंसी ▶▶ पटना

बागेश्वर बाबा चले गए लेकिन बवाल फिलहाल नहीं थम रहा है। मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम सरकार के बाबा धीरेंद्र शास्त्री के बिहार आने से पहले आरजेडी और भाजपा के बीच छिड़ी लड़ाई उनके पटना से लौट जाने के बाद भी जारी है। भाजपा के प्रवक्ता निखिल आनंद ने बड़ा दावा किया है कि नीतीश सरकार में आरजेडी के मंत्री समेत राजद और जेडीयू के कई विधायक बाबा से पटना के होटल में छिपकर मिले हैं।

पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर, भोजपुरी सिनेस्टार अक्षरा, पवन मिले

पटना के जिस होटल में बागेश्वर बाबा ठहरे थे वहां उनकी कई लोगों से मुलाकात हुई जिसमें पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय, भोजपुरी सिनेस्टार अक्षरा सिंह, पवन सिंह जैसे लोग शामिल हैं। कुछ की मुलाकात की फोटो बाहर आ गई, बहुत की नहीं आ पाई। भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार की सरकार में आरजेडी कोटे से मंत्री बने एक सीनियर आरजेडी नेता सपरिवार बाबा से मिलने छिपकर होटल गए। ये पहले सांसद भी रह चुके हैं और तेजस्वी यादव के काफी करीबी माने जाते हैं।

आरजेडी मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के लिए सनातन धर्म का कर रही विरोध

भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार भाजपा प्रवक्ता निखिल ने कहा, आरजेडी- जेडीयू के विरोध करने से कुछ नहीं होता है। बड़ी संख्या में बिहार सरकार के वर्तमान मंत्रीगण और जेडीयू- आरजेडी- कांग्रेस के विधायक- सांसदों ने धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात कर पर्ची निकलवाई और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कई लोग आपको आश्चर्य होगा कि चेहरा छिपाकर बाबा बागेश्वर से मिलने पहुंचे। मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के लिए सनातन धर्म के प्रचारकों का विरोध करना महागठबंधन और तथाकथित धर्मनिरपेक्षता समर्थक राजनीतिक दलों का एजेंडा है।

नेताओं ने प्रमाण छिपाने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी से खुद को दूर रखा

बाबा से होटल में छिपकर मिले आरजेडी नेताओं में पटना जिले की एक महिला विधायक का भी नाम चर्चा में है जिनके पति अपनी दबंगई के लिए चर्चा में रहते हैं। ये पहले कांग्रेस में भी रही हैं। कोसी इलाके से आने वाले एक जेडीयू विधायक के भी बागेश्वर बाबा से रात के अंधेरे में होटल जाकर मिलने की चर्चा है। बताया जा रहा कि इन सबने किसी भी तरह की फोटोग्राफी- वीडियोग्राफी से खुद को दूर रखा ताकि उनकी मुलाकात की बात और उसका प्रमाण किसी के हाथ न लगे।

आरजेडी ने बाबा को दी थी धमकी

बागेश्वर बाबा के बिहार आने से पहले ही आरजेडी के नेताओं की तरफ से धमकी दी गई थी कि बाबा ने अगर कथा सुनाने के बदले हिंदू-मुसलमान किया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बीजेपी लगातार बाबा के बचाव में आक्रामक रूप से आरजेडी पर हमलावर रही और कहती रही कि आरजेडी के नेता यह सब तुष्टीकरण के लिए कर रहे हैं।

बाबा बोले- जब बिहार के 5 करोड़ लोग तिलक लगाकर निकलेंगे तब पूरा होगा हिंदू राष्ट्र का संकल्प

बाबा ने पांच दिन की हनुमंत कथा के दौरान कोई बहुत विवादित बयान नहीं दिया। जाते-जाते बाबा ने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के अपने संकल्प का जिक्र जरूर किया और कहा कि जिस दिन बिहार के 5 करोड़ लोग तिलक लगाकर घर से निकलेंगे और और अपने घर के बाहर धर्म का ध्वज लहरा लेंगे, उस दिन हिंदू राष्ट्र का संकल्प पूरा हो जाएगा।

पटना एयरपोर्ट के अंदर दिखे बाबा के समर्थक, चार्टर्ड प्लेन को घेरा

पटना एयरपोर्ट से शास्त्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें समर्थक जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। वे पं.धीरेंद्र शास्त्री के दर्शन के

चक्कर में नियम-कानून तक भूल गए। रनवे के पास से वायरल हो रहे इस वीडियो में दिख रहा है कि बाबा के समर्थकों ने उनके चार्टर्ड प्लेन तक को घेर लिया। प्लेन में बैठने से पहले बाबा ने दोनों हाथ जोड़कर समर्थकों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके समर्थक सेल्फी लेते नजर आए। बाद में एयरपोर्ट प्रबंधन ने साफ किया कि यह समर्थक बाहर से नहीं आए थे। यह लोग ग्राउंट स्टाफ और सुरक्षाकर्मी थे।

एक नज़र

'अभद्र वस्त्र' पर तुलजा भवानी मंदिर में एंट्री बैन

ओसमानाबाद। महाराष्ट्र के ओसमानाबाद जिले के तुलजा भवानी मंदिर प्रशासन ने हाफ पैंट

या अभद्र कपड़े पहनकर मंदिर परिसर के भीतर आने पर रोक लगा दी है। मंदिर परिसर के बाहर एक बोर्ड लगा दिया है, जिसमें मराठी में लिखा है9असभ्य या अभद्र वस्त्र, अपने शरीर को दिखाने या बरमुडा पहन कर आने वाले भक्तों को यहां एंट्री नहीं दिया जाएगा।

पालघर में डकैती की साजिश नाकाम, 4अरेस्ट

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में 6 लोगों द्वारा डकैती की योजना को राज्य पुलिस ने विफल कर दिया। एक फोन कॉल की वजह से

पुलिस 4आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह अभियान पुलिस को सतर्क करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए चलाया गया है। गोवडे गांव का एक व्यक्ति ने 16 मई को छह लोगों को मुंबई-अहमदाबाद हाईवे के पास एक प्रेट्रोल पंप में छिपते हुए देखा।

एगरा पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, सीआईडी जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के एगरा में एक अवैध पटाखा फैक्टरी विस्फोट होने के बाद भाजपा ने इस मामले

में एनआईए जांच की मांग की थी। एनआईए जांच पर राज्य सरकार ने भी कोई आपत्ति नहीं जताई थी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने सीआईडी को जांच जारी रखने की अनुमति दे दी है। सीआईडी अब तय करेगी मामला शुरू कहो या नहीं।

यूपीएससी पास किए बिना बनेंगे अफसर

नई दिल्ली। अधिकारी बनने के लिए अब यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा पास करना जरूरी नहीं होगा। मोदी सरकार ने

नौकरशाही में प्रवेश के लिए बड़ा बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को अनुबंध के आधार पर अपने विभागों में भर्ती करने का फैसला किया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने बयान भी जारी किया है। 12 विभागों में अनुबंध के आधार पर भर्ती होगी।

रेणुका मंदिर में स्काईवॉक की सुविधा देंगे गडकरी

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित रेणुका देवी मंदिर में भक्तों के लिए

केंद्र सरकार सौगात लेकर आई है। केंद्रीय मंत्री स्काईवॉक सुविधा की आधारशिला रखेंगे। गडकरी शनिवार को यहां मंत्री रेणुका देवी मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए स्काईवॉक की आधारशिला रखेंगे, जिसके लिए 51.03 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के दो अहम फैसले, कहा- शक्ति का प्रयोग संयम से करें

पश्चिम बंगाल सरकार 'द केरल स्टोरी' को नहीं कर सकती बैन, रिलीज करनी होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शीर्ष अदलात ने कहा- फिल्म को एक जिले विशेष पर प्रतिबंधित किया जा सकता है लेकिन पूरे राज्य में नहीं!

सुप्रीम कोर्ट ने कहा ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में फिल्म 'द केरल स्टोरी' रिलीज होगी। इस पर बैन नहीं लगाया जा सकता है। हम राज्य सरकार की तरफ से फिल्म पर लगाए गए प्रतिबंध पर रोक लगा रहे हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने बंगाल सरकार से कहा कि शक्ति का प्रयोग संयम से किया जाना चाहिए। फिल्म को एक जिले विशेष पर प्रतिबंधित किया जा सकता है लेकिन पूरे राज्य में नहीं! जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना सरकार का विशेषाधिकार है। फिल्म पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। याचिकाकर्ता कुर्बान अली के वकील सिब्बल ने कहा कि फिल्म को असली जैसा प्रोजेक्ट किया गया है और डिस्क्लेमर में कुछ और है। ऐसा नहीं किया जा सकता। सिब्बल ने कहा कि यह अनुच्छेद 14 और 19 से जुड़ा मसला है।

सीजेआई ने विपुल शाह के वकील हरीश साल्वे से पूछा कि यह 32000 के आंकड़े को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। इसके बारे में बताइए। साल्वे ने कहा कि कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि घटनाएं हुई हैं, यह विवाद का विषय नहीं है। सीजेआई ने कहा यहां फिल्म कहती है कि 32,000 महिलाएं गायब हैं। दोनों पक्षों के वकीलों में अपनी अपनी दलीलें पेश कीं।

राज्य सरकार बोली- दंगे की आशंका से बैन लगाया

पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं। बंगाल सरकार ने कहा कि दंगे की आशंका के मद्देनजर प्रतिबंध लगाया गया। सिंघवी ने कहा कि फिल्म 5 मई से 8 मई तक चली, हमने इसे बंद नहीं किया। हमने सुरक्षा मुहैया कराई थी। खुफिया रिपोर्ट से गंभीर खतरे की जानकारी मिली। सीजेआई ने कहा कि एक जिले में समस्या होगी तो सभी जगह प्रतिबंध नहीं लगाया जाता। यह जरूरी नहीं कि सभी जगह डेमोग्राफिक समस्या एक जैसी हो। उत्तर में अलग है, दक्षिण में अलग है। आप मूल अधिकार को इस तरह से छीन नहीं सकते। सिंघवी ने कहा कि डिस्क्लेमर में कहा गया है कि फिल्म निर्माता ने सिनेमाई स्वतंत्रता ली है और फिल्म घटनाओं का काल्पनिक और नाटकीय चित्रण है, जो सच है। क्या यह डिस्क्लेमर है? सीजेआई ने कहा कि यह देश में हर जगह रिलीज हो गई है? सिंघवी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकीय रूपरेखा बहुत अलग है।

शक्ति का प्रयोग आनुपातिक होना चाहिए

सीजेआई ने कहा कि आप एक राज्य में जनसांख्यिकीय प्रोफाइल को एक जैसा नहीं मान सकते। शक्ति का प्रयोग आनुपातिक होना चाहिए। किसी भी प्रकार की असहिष्णुता को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी का मौलिक अधिकार भावना के सार्वजनिक प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता कि अमुक भावना के सार्वजनिक प्रदर्शन को नियंत्रित करना होगा, आपको यह पसंद नहीं है तो इसे मत देखो।

सीजेआई बोले

कानून और व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का कर्तव्य

सीजेआई ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखना आपका कर्तव्य है। आप समाज में किसी भी

13 लोगों को चुन लेते हैं और कुछ भी प्रतिबंध लगा देंगे। जब तक कि आप खेल नहीं दिखा रहे हैं या कार्टून। सीजेआई ने कहा बैन सार्वजनिक असहिष्णुता के मद्देनजर नहीं किया जा सकता है।वहीं, जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि हमने हलफनामा भी देखा है।सीजेआई ने कहा कि कानून व्यवस्था कायम रखना राज्य की जिम्मेदारी है। सीजेआई ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कायम रखना भी राज्य की जिम्मेदारी है।

साल्वे ने दी दलीलें

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित किया गया

विपुल शाह की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि बंगाल सरकार ने प्रतिबंध लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित किया है। साल्वे ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन में प्रतिबंध लगाने के जो कारण है। वह कानून व्यवस्था खराब होने और हिंसा की आशंका को लेकर है।साल्वे ने कहा कि इंटेलिजेंस रिपोर्ट के आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया। सोशल मीडिया में हेटरेड को लेकर संदेशों को भी आधार बनाया गया। साल्वे ने कहा कि 13 लोगों से बयान लिए गए और यह कहा गया कि फिल्म पर्दे पर राज्य में चली तो दंगे हो सकते हैं।

तमिलनाडु में कानूनी वैधता रहेगी बरकरार

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू पर नहीं लगेगी रोक

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू (सांडों को काबू में करना), कर्नाटक में कंबाला (भैंसे की दौड़) और महाराष्ट्र के बैलगाड़ी दौड़ जैसे पारंपरिक खेलों को अनुमति दिए जाने के मामले मे सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने फैसला दे दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कानून में किए गए संशोधन को वैध बताया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि तीनों राज्यों की ओर से इस संबंध कानून में किए गए संशोधन वैध हैं। इसी के साथ कोर्ट ने इन खेलों को क्रूरता से नहीं संस्कृति से जुड़ा हुआ बताया है। पांच जजों की संविधान पीठ ने तीनों राज्यों में जानवरों से जुड़े खेल को सांस्कृतिक विरासत माना है।

महाराष्ट्र में बिहार-बंगाल से लाए गए थे

मदरसे में पढ़ने वाले 63 बच्चों के ट्रक में मिलने से सनसनी

एजेंसी ▶▶ कोल्हापुर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक ट्रक के अंदर ठूंसकर भरे 63 बच्चों के मिलने से सनसनी फैल गई है। ये सारे बच्चे बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा से लाए गए थे। इन बच्चों के आधार कार्ड और पहचान पत्र बरामद किए जा चुके हैं। पूछताछ और जांच में पता चला कि वे पास ही एक मदरसे में पढ़ते हैं। गर्मी की छुट्टी में वे अपने-अपने गांव गए थे। वहां से वे ट्रेन से रेलवे स्टेशन तक पहुंचे थे। इसके बाद उन्हें ट्रक में लाद कर ले जाया जा रहा था। इन बच्चों से संबंधित मदरसे का पता चल गया है। मदरसे के मौलाना को पुलिस ने तलब किया है। पुलिस ने पूछताछ और जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारियों के मुताबिक उन बच्चों को मदरसे में भेजा जा रहा था। कुछ हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लोगों को जब इस बारे में पता चला उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। जब उन बच्चों की जांच पड़ताल की गई तो उनके पास से मिले कागजातों को खंगाला गया तो पता लगा कि उनमें से अधिकतर बच्चे पश्चिम बंगाल व बिहार से आ रहे थे।

मौलाना ने कबूला-मदरसे के ही हैं बच्चे

जिस मदरसे में ये सारे बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, उसके मौलाना ने यह कबूल कर लिया है कि ये बच्चे उनके मदरसे के हैं। उन्होंने यह भी साफ किया है के ये बच्चे गर्मी की छुट्टी बिताने अपने-अपने गांव गए थे। वहीं से यह ट्रेन से रेलवे स्टेशन लौटे थे। ट्रक में इन सभी को अंदर भर कर वापस मदरसा ले जाया जा रहा था। कोल्हापुर के डिप्टी एसपी मंगेश चव्हाण ने भी यह साफ किया है कि ये बच्चे कोल्हापुर के एक मदरसे में पढ़ाई करते हैं और गर्मी छुट्टी बिताकर अपने मूल गांव से वापस लौटे हैं।

दानवे का दावा: रोजाना 70 महिलाएं हो रहीं लापता

महाराष्ट्र विधान परिषद के विपक्षी नेता अम्बादास दानवे ने राज्य सरकार को महिलाओं की सुरक्षा पर अहम कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया है कि महाराष्ट्र से प्रतिदिन 70 महिलाएं और लड़कियां लापता हो रही है। शिवसेना के नेता दानवे ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि इस साल जनवरी से मार्च के बीच राज्य से लगभग 5,510 महिलाएं और लड़कियां लापता हुई हैं।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो का उद्घाटन

नई दिल्ली। नई दिल्ली में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो 2023 के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डीए संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मीनाक्षी लेखी और अबू धाबी के निदेशक मैनुअल राबेट एक साथ दिखाई दे रहे हैं।

आज़ादी के बाद इस दिशा में नहीं किया गया समुचित काम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार ने देश की विरासत को संरक्षित करने को प्राथमिकता दी है, यहां तक कि उन्होंने इस बात पर भी अफसोस जताया कि आजादी के बाद इस दिशा में पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए। पीएम मोदी ने कहा कि जब हम किसी संग्रहालय में जाते हैं तो हमें बीते कल से हमारा परिचय हो रहा होता है। संग्रहालय में जो दिखता है वो तथ्यों के आधार पर होता है। संग्रहालय में एक ओर अतीत से प्रेरणा मिलती है तो दूसरी ओर भविष्य के प्रति अपने कर्तव्य का बोध होता है। लोगों में धरोहरों के प्रति जागरूकता की कमी ने इस क्षति को ज्यादा बढ़ा दिया इसलिए आज़ादी के अमृतकाल में भारत ने जिन 'पंच-प्राणों' की घोषणा की है, उनमें अपनी विरासत पर गर्व प्रमुख है। अमृत महोत्सव में हम भारत की धरोहरों को संरक्षित करने के साथ ही नई सांस्कृतिक बुनियादी ढांचा बना रहे हैं।

जनजातीय समुदाय के 10 विशेष संग्रहालय बनेंगे

पीएम मोदी ने प्राचीन भारतीय कला और प्राचीन वस्तुओं की तस्करी के मुद्दे को भी उठाया।इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा के साथ, विभिन्न देशों ने अब भारतीय विरासत से संबंधित चीजों को वापस करना शुरू कर दिया है। मोदी ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय के योगदान को अमर बनाने के लिए 10 विशेष संग्रहालय बनाए जा रहे हैं।

भारत का नहीं, पूरे विश्व का नुकसान

मोदी ने कहा कि गुलामी की लंबी अवधि के कारण देश की लिखित और अलिखित विरासत भी नष्ट हो गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल भारत का नुकसान नहीं है, यह पूरे विश्व का नुकसान है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, हमारी विरासत को संरक्षित करने के लिए आजादी के बाद जो प्रयास किए जाने चाहिए थे, वे नहीं किए गए। उन्होंने लोगों से ऐतिहासिक कलाकृतियों के संरक्षण को अपना स्वभाव बनाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, प्रत्येक घर को एक पारिवारिक संग्रहालय बनाना चाहिए जिसमें वे अपने पूर्वजों और बड़ों की चीजों को संरक्षित करें। स्कूलों और संस्थानों को भी अपना संग्रहालय बनाना चाहिए।

इस साल 'संग्रहालय, स्थिरता और भलाई' नाम

संग्रहालय कार्ड देश भर में प्रतिष्ठित संग्रहालयों के सचित्र अग्रभागों के साथ 75 कार्डों का एक सेट है और सभी उम्र के लोगों के लिए संग्रहालयों को पेश करने का एक नया तरीका है और प्रत्येक कार्ड में संग्रहालयों की संक्षिप्त जानकारी होती है। 47वें अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (आईएमडी) के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष के लिए आईएमडी विषय संग्रहालय, स्थिरता और भलाई रखा गया है।

भारी गर्मी में भी बिना बाधा होगा बिजली का उत्पादन

कोयले का बफर स्टॉक तैयार, नहीं होगी परेशानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के बिजली घरों में पिछले साल तथाकथित कोयला संकट की बात सामने आई थी। उस समय कई संयंत्रों में सात दिन तक उत्पादन करने लायक कोयला बचे होने की बात कही गई थी। जबकि नियमानुसार बिजली संयंत्रों में कम से कम 15 दिन बिजली उत्पादन करने लायक कोयले का भंडार होना चाहिए। इससे हालात बिगड़ने की आसंका भी जताई गई थी। लेकिन इस साल हालात नहीं बिगड़ेंगे। दरअसल, मार्च में कोयले का उत्पादन बढ़ने और अप्रैल में अप्रत्याशित बारिश से बिजली की मांग घटने से पर्याप्त मात्रा में कोयले का बफर इकट्ठा हो गया है। अब कितनी भी गर्मी पड़े हमारे थर्मल पावर प्लांटों को कोयले की कमी नहीं पड़ेगी।

इस साल उत्पादन बढ़कर हो गया 107.8 मिलियन टन

पिछले साल बिजली की मांग बढ़ी थी

पिछले साल मार्च में कोयले का उत्पादन 0.2 फीसदी घट गया था, जबकि अप्रैल में बिजली की मांग 14.7फीसदी बढ़ गई थी। इसका नतीजा ये निकला था कि अप्रैल के अंत तक देश के 135 थर्मल पावर प्लांटों में सिर्फ आठ दिनों की जरूरत पूरी करने लायक कोयले का स्टॉक रह गया था। कई संयंत्रों में तो सिर्फ दो दिन की जरूरत का कोयला बचा था। रेलवे की स्पेशल माल गाड़ियां और ट्रक चलवाकर किसी तरह संयंत्र चलाए गए थे, इसके बावजूद कई संयंत्र अपनी क्षमता से नीचे उत्पादन करने को मजबूर हो गए थे। लेकिन, इस साल आपूर्ति की स्थिति काफी बेहतर रही है।

इस साल उत्पादन 12 फीसदी बढ़ा

इस वर्ष मार्च में कोयले का उत्पादन सालाना आधार पर 12फीसदी तक बढ़ते हुए 107.8 मिलियन टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। अप्रैल में फिर कोयला उत्पादन में 8.63 फीसदी की उछाल दर्ज हुई। इसी दौरान अप्रैल में बारिश हो गई और मौसम ठंडा होने की वजह से बिजली की मांग 1.1 प्रतिशत घटकर 133 बिलियन यूनिट रह गई।

अप्रैल में कोयले की सप्लाई में 11.6 फीसदी की बढ़ोतरी

अप्रैल में कोयले की कुल सप्लाई 11.6 फीसदी बढ़कर 80.35 मीट्रिक टन और बिजली संयंत्रों को सप्लाई 6.6 फीसदी बढ़कर 65.41 मीट्रिक टन हो गई। घरेलू आपूर्ति में वृद्धि, और वित्तवर्ष 2024 की पहली छमाही में कुल जरूरत का 6 फीसदी आयातित कोयला इस्तेमाल करने के सरकारी आदेश से इस बार ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त बफर हो गया है।

अमिताभ बच्चन व अनुष्का को 'लिफ्ट' देने वालों पर हेलमेट न पहनने का लगा जुर्माना

एजेंसी | मुंबई

मुंबई पुलिस ने अमिताभ बच्चन और अनुष्का शर्मा को शहर में 'लिफ्ट' देते समय हेलमेट नहीं पहनने वाले दो मोटरसाइकिल चालकों पर जुर्माना लगाया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमिताभ और अनुष्का दोनों

पर उनके मोटरसाइकिल चालकों के जरिए मुंबई की सड़कों पर बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल पर सवारी करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा नियमों का उल्लंघन का मुद्दा उठाने के बाद दोनों मामलों में यह कार्रवाई की गई। मुंबई यातायात पुलिस ने दोनों वाहन सवारों के खिलाफ मंगलवार को जारी किए गए चालान की प्रतियां अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर साझा की। नियमों के तहत 10,500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसका भुगतान उल्लंघनकर्ता द्वारा किया जाएगा। अमिताभ बच्चन ने भी हाल ही में समय पर शूटिंग पर पहुंचने के लिए एक मोटरसाइकिल चालक से 'लिफ्ट' ली थी। उन्होंने मोटरसाइकिल चालक के साथ सोशल मीडिया मंच पर तस्वीर भी साझा की थी, जिसमें दोनों ने ही हेलमेट नहीं पहन रखा था।

एक नज़र

वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे पर निकाली रैली

जयपुर। शेखावाटी हॉस्पिटल विद्याधर नगर जयपुर द्वारा वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे के अवसर पर पांच किमी की जन स्वास्थ्य रैली निकाली गई। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सर्वेश जोशी एवं कार्यकारी निदेशक डॉ. एसपी यादव ने बताया कि वरिष्ठ स्त्री प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रेणु जैन ने यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर डॉ. नितेश पंसारी ने सभी को उच्च रक्तचाप के बारे में जागरूक किया। यह यात्रा शेखावाटी हॉस्पिटल से रवाना होकर विद्याधर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई हॉस्पिटल परिसर पर आकर समाप्त हुई। इस अवसर पर डॉ. अंशुल कुलश्रेष्ठ, एडमिन सावित्री चौधरी , हरदेव शर्मा आईसीयू प्रभारी, शेरसिंह इमरजेंसी प्रभारी, शमशेर कैथलैब प्रभारी, दिनेश मेल वार्ड प्रभारी आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक 23 से

जयपुर। राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों का आगाज 23 जून को होगा। खेलों में भाग लेने के लिए सभी आयुवर्ग के इच्छुक खिलाड़ी राजीव गांधी ओलम्पिक की अधिकृत वेबसाइट www.rajolympic.rajasthan.gov.in पर अपने जन आधार का विवरण डालकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। गौरतलब है कि खेल प्रतिभाओं को तलाशने के लिए राज्य खेलों की तर्ज पर राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इधर ओलंपिक के तहत 7-7 खेलों का आयोजन होगा। इन खेलों में ग्रामीण इलाकों में कबड्डी, टेनिस बॉल क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो-खो, शूटिंग बॉल, रस्साकशी का आयोजन होगा तो वहीं, शहरी ओलम्पिक के तहत कबड्डी, टेनिस बॉल क्रिकेट, वालीबॉल, फुटबॉल, खो-खो, बास्केटबॉल एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन होगा। दूसरी तरफ ग्रामीण ओलम्पिक खेलों में ग्राम पंचायत स्तरीय प्रतियोगिताएं 4 दिन, ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं 5 दिन आयोजित होंगी।

राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा से दुर्व्यवहार का मामला

राष्ट्रीय जनजाति आयोग ने किया CS और DGP को तलब

जयपुर। राष्ट्रीय जनजाति आयोग ने राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के साथ पुलिस की ओर से किए गए दुर्व्यवहार मामले में मुख्य सचिव उषा शर्मा और डीजीपी उमेश मिश्रा को तलब किया है। आयोग ने इन्हें 24 मई को दोपहर 12:30 बजे अनुसूचित जनजाति आयोग में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में शिकायत दी थी कि उन्हें राजस्थान पुलिस ने 4 मार्च और 10 मार्च, 2023 को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और गैर कानूनी रूप से हिरासत में लिया। इसके बाद आयोग ने यह संज्ञान लिया है। दूसरी तरफ आयोग की ओर से मुख्य सचिव और डीजीपी को चेतावनी भी दी गई है कि यदि आप बिना किसी विधिसम्मत कारण के आदेश का अनुपालन नहीं करते हैं, तो आपको सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश के नियम 12 में दिए गए अनुपस्थिति के परिणाम भुगतने होंगे।

मंत्रालयिक आंदोलन अब करो या मरो की स्थिति में

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ का आंदोलन अब करो या मरो की स्थिति में बदल गया है जिसके चलते महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी सहित ग्यारह पदाधिकारियों जिसमें विजय सिंह राजावत, भुवनेश्वर शर्मा, राकेश मोड़, रामजीलाल मीणा, गोपाल अवस्थी, रणजीत सिंह सारण, दिनेश शर्मा, हुकुम सिंह, संजय नागर, मेघराज सिंह चौधरी, ने अपनी प्रमुख मांगे माने जाने तक आमरण अनशन जारी रखने का निर्णय लिया।

आमरण अनशन स्थल शिप्रा पथ मानसरोवर जयपुर से प्रदेशाध्यक्ष राजसिंह चौधरी ने अपने उद्बबोधन में कहा सरकार कई दौर की वार्ता कर चुकी है लेकिन वार्ताओं के परिणाम सामने नहीं आने से मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अब आर पार की लड़ाई लड़ने का निर्णय लेते हुए आज से आमरण अनशन की शुरुआत कर दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका ने प्रतिनिधी मंडल को बुलाकर मांगो पर शीघ्र निर्णय कर लिये जाने की बात करते हुए पुनः चर्चा के लिए बुलाने का भरोसा दिलाया जिस पर महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि ये महापड़ाव एवं आमरण अनशन बिना आदेशों के समाप्त नहीं होगा राजस्व विभाग के प्रदेशाध्यक्ष अमित जैमन ने कहा कि सरकार ने यदि राजस्व विभाग के तहसीदार कोटे से यदि छेड़छाड़ की तो

प्रदेश के 33 जिलो में जिला कलेक्टर एवं उपखंड कार्यालयों के ताले नहीं खुलेगे।

सभा को पंचायती राज के प्रदेशाध्यक्ष अशोक निठारवाल, शिक्षा विभाग के प्रदेशाध्यक्ष आंनद साध, पंजीयन मुद्रांक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष भीखा राम चौधरी, हंस प्रकाश शर्मा आबकारी एवं अनिल कौशिक ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बाबुओं के धैर्य की परीक्षा ना ले वरना परीणाम घातक होगे। प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र दाधीच ने बताया कि आज भी महापड़ाव में हजारों की संख्या में मंत्रालयिक कर्मचारी एवं महिला कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

एलएचवी और एएनएम महिला स्वास्थ्यकर्मी

लगातार 01 मई से धरने पर

पे स्केल बढ़ाने के साथ-साथ एलएचवी एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की हैं कई माँगें

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान राज्य एलएचवी और ए एन एम एसोसिएशन द्वारा शहीद स्मारक, कमिश्नरेट जयपुर के पास लगातार 01 मई से लगातार धरना जारी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत समस्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने अपनी माँगों को लेकर धरना दिया है।

एलएचबी महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कई मांगे हैं जिसे वे पूरा करवाना चाहतीं हैं।महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का ग्रेड पर 2800 की जगह ग्रेट पे 3600 किया जाए,महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का पदनाम लेडी हेल्थ ऑफिसर एलएचबी का पदनाम सीनियर लेडी हेल्थ ऑफिसर किया जाए।इसके दौरान सर्विस पीरियड में जीएनएम का अध्ययन अवकाश 2 वर्ष की जगह 3 वर्ष का अध्ययन अवकाश स्वीकृत किया जाए।विभाग द्वारा हाल ही में जारी नर्स श्रेणी द्वितीय श्रेणी की भर्ती में जीएनएम प्रशिक्षण प्राप्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को मंत्रालय के कर्मचारियों की तरह सर्विस कोटा प्रदान किया जाए।

ऐसी कई सारी मांगों को लेकर लगातार एलएचवी और एएनएम एसोसिएशन मांग कर रहा है। इस क्रमिक अनशन के दौरान प्रत्येक दिन क्रमिक रूप से भूख हड़ताल भी जारी है। किसी भी मंत्री या अधिकारी ने अब तक इनसे संपर्क नहीं किया है।

मंत्रालयिक कर्मचारियों की पे स्केल में परिवर्तन और नवीन पदों का सृजन को लेकर आंदोलन चरम पर

ग्रेड पे बढ़ाने एवं नए पद सृजित करने हेतु मंत्रालयिक एकता मंच के आंदोलन को आज 67वां दिन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अधीनस्थ मंत्रालयिक के पदों को रिव्यू कर पदोन्नति देने की माँग के साथ मंत्रालयिक कर्मचारी 65 दिन से हड़ताल पर हैं। इनकी माँगें हैं कि सहायक प्रशासनिक अधिकारी को एल 10 ग्रेड पे 3600 के स्थान पर एल 11 ग्रेड पे 4200 एवं उसी के अनुसार अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी एल 12 ग्रेड पर 4800, प्रशासनिक अधिकारी को इस एल 16 ग्रेट पे 6600 व संस्थापन अधिकारी को एल 19 ग्रेड पर 7600 तथा उप निदेशक प्रशासन का नवीन पद सृजित कर ग्रेड पे 8700 दिया जाए। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के ऊपर पद राज्य सेवा में घोषित किए जाएँ और विभागवार नए पदों का सृजन किया जाए। मंत्रालयिक एकता मंच इस तरह कई माँगों को लेकर धरने पर है।अभी तक कई मंत्रियों से मिल चुके हैं लेकिन किसी भी तरह की कोई कार्यवाही या कोई भी लिखित वार्ता अभी तक नहीं हो पाई है। गजेंद्र सिंह राठौड़ सदस्य कोर कमेटी ने बताया कि लगातार संपर्क करने पर मुख्यमंत्री महोदय से भी बातचीत हुई और उनकी ओर से कुछ औरआदेश भी हुए लेकिन लिखित रूप में अभी तक हमें कुछ भी नहीं दिया गया सिर्फ़ आश्वासन ही मिल रहे हैं और जब तक लिखित रूप में हमें आदेश प्राप्त नहीं होंगे यह धरना लगातार जारी रहेगा।

देश के साथ विदेशी धरा पर भी बनी बोर्ड की पहचान

आवासन मंडल को मिला 'द गोल्डन ग्लोब टाइगर अवॉर्ड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की कामयाबी की गूंज और सफलता के किस्से अब प्रदेश और देश के बाहर विदेशों में भी सुनाई देने लगे हैं। मलेशिया में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को वर्ल्ड एचआरडी काउंसिल के निर्णायक मंडल ने 'बेस्ट एनवायरनमेंट फ्रेंडली प्रोजेक्ट्स' और 'बेस्ट इनोवेटिव प्रोजक्ट ऑफ द ईयर' के लिए 'द गोल्डन ग्लोब अवॉर्डस फॉर एक्सीलेंस एंड लीडरशिप' से सम्मानित किया गया। प्रशासनिक व्यस्तता के चलते आवासन आयुक्त ने स्वयं ना जाकर पुरस्कार ग्रहण करने के लिए इंजीनियर्स को मलेशिया भेजा। मलेशिया स्थित पूलमैन क्वालालमपुर सिटी सेंटर में रंगारंग कार्यक्रम के दौरान मुख्य अभियंता प्रथम केसी मीणा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजय पूनिया और अमित अग्रवाल ने मंडल की ओर से हजारों लोगों की उपस्थिति में यह सम्मान ग्रहण किया। वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस द्वारा मानसरोवर स्थित सिटी पार्क को बेस्ट एनवायरनमेंट फ्रेंडली प्रोजेक्ट्स और प्रताप नगर स्थित कोचिंग हब को एक्सीलेंस इन इनोवेशन की श्रेणी के लिए चयनित किया गया।

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने दी बधाई

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि मंडल की झोली में निरंतर पुरस्कारों का डलना मंडल की आमजन के प्रति प्रतिबद्धता व मेहनत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पुरस्कारों का यह सिलसिला लगातार चलता रहेगा। अरोड़ा ने सभी सम्मानों और पुरस्कारों के लिए मंडल के कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और शुभकामनाएं भी दी। गौरतलब है कि आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा की अगुवाई में पिछले चार वर्षों में मंडल को कुल 17 अवॉर्ड मिल चुके हैं।

कर्मचारियों ने कहा- "वी सपोर्ट ओपीएस," सीएम से विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने की मुलाकात

पुरानी पेंशन लागू नहीं की तो केंद्र का हो जाएगा सूपड़ा साफ

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न कर्मचारी संगठनों से जुड़े राज्य कर्मचारियों ने मुलाकात की। कर्मचारियों ने गहलोत का पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सीएम गहलोत और पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देशभर में ओपीएस लागू करने की मांग की। डोटासरा ने केंद्र की मोदी सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र की मोदी सरकार ने देशभर में ओपीएस लागू करने की घोषणा नहीं की तो इनका सूपड़ा साफ हो जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम के कारण भविष्य के प्रति चिंतित कर्मचारियों के लिए मानवीय दृष्टिकोण से ओपीएस लागू की गई है। अब सेवानिवृत्त हुए राज्य कर्मचारियों को लाभ मिलने भी लगा है। हम हमारे कर्मचारियों को एनपीएस में शेयर बाजार के भरोसे नहीं छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से भी पूरे देश में ओपीएस लागू करने की मांग कर चुके हैं, उन्हें कर्मचारी हितों में इसे लागू करना चाहिए। राज्य सरकार ने आमजन की सामाजिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। महंगाई राहत कैंपों से जनता को आर्थिक संबल दिया जा रहा है।

कर्मचारियों ने जताई खुशी

सीएम से मिलने पहुंचे कार्मिकों ने कहा कि 1 जनवरी, 2004 से नियुक्त कार्मिकों के लिए ओपीएस लागू करने, पूरी पेंशन के लिए क्वालिफाइंग सर्विस 28 वर्ष से घटाकर 25 वर्ष करने एवं आरजीएचएस से राज्य कर्मचारी व उनके परिजन बेहद खुश हैं। यह ऐतिहासिक निर्णय लेकर मुख्यमंत्री ने उनके भविष्य को सुरक्षित किया है। राजस्थान से इस दिशा में अभूतपूर्व पहल हुई है। कई राज्यों द्वारा ओपीएस लागू करने की घोषणा की जा चुकी है। अब केन्द्र एवं अन्य राज्य सरकारों को भी कर्मचारी कल्याण में ओपीएस पुनः लागू करनी चाहिए।

मन की बात करने वालों को नहीं, काम करने वालों को मिलेंगे वोट

डोटासरा ने कहा कि मन की बात करने वाले और उसकी पार्टी को लोग वोट नहीं देंगे। बल्कि काम की बात करने वाले और काम करने वाले को लोग वोट देंगे। उन्होंने कहा कि हर आदमी का काम करने का अपना-अपना तरीका होता है। गहलोत के पास काम करने की अलग ही सोच है। जो मानवीय संवेदनाएं मुख्यमंत्री के दिल में है, उन्होंने वास्तव में यह करके दिखाया है कि लोगों को क्या चाहिए। उनके चेहरों पर खुशी कैसे आए। यही काम मुख्यमंत्री ने करके दिखाया है। इस अवसर पर उद्योग मंत्री शकुंतला रावत, गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव, देव नारायण बोर्ड अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना, राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, एनपीएसईएफआर व पेंशन बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी एवं विभिन्न संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।

संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)